www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 159 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
31 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

»डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:45
सूर्यास्त: 06:29
अधिकतम: 32°00
न्यूनतम: 27°00

» पेज 07

विशेष समाचार
ऊर्जा के उजास से आत्मनिर्भर ...3 » पेज 04
दलित महापंचायत में दरोगा ... » पेज 06
'टॉक्सिक' की कमाई में...

सपा के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक है जेपीएनआईसी : सीएम योगी

- जयप्रकाश नारायण के नाम का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता, जनता के पैसे पर डकैती की छूट नहीं - मुख्यमंत्री
- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ सीएम योगी ने किया वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण, पुष्पांजलि भी अर्पित की

योगी बोले- ये लखनऊ में जेपीएनआईसी कब्जाना चाहते थे, हम तो माफिया को मिट्टी में मिलाने वाले

सपाई दंगों के बादशाह : योगी

संबोधन

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । सीएम योगी ने लखनऊ में कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग फिर से बांटने का प्रयास कर रहे हैं। पीडीए के नाम पर समाज को बांटने वाले लोगों की आप कल्पना कर सकते हैं कि ये कैसे लोग हैं। जिन्होंने बाबूजी कल्याण सिंह के निधन पर पुष्पांजलि अर्पित करने जाना तो दूर, एक ट्वीट तक नहीं किया। इन्होंने लखनऊ में जय प्रकाश नारायण के नाम पर एक स्मारक बनवाया। 200 करोड़ रुपए का JPNIC प्रोजेक्ट शुरू किया। उस पर खर्च कर डाले 864 करोड़ रुपए। इतने खर्च के बावजूद वह अधूरा है। कोशिश की कि इस प्रोजेक्ट पर समाजवादी पार्टी का कब्जा हो जाए।

» (शेष पेज 06 पर)

- मुख्यमंत्री ने कहा कि पीडीए के नाम पर समाज को बांटने वाली सपा के लोगों ने कभी महापुरुषों का सम्मान तक नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर सपा नेताओं के मुंह से श्रद्धांजलि का एक शब्द नहीं निकला, एक ट्वीट तक नहीं किया। सपा दंगों की बादशाह है। कर्फ्यू उसकी पहचान और सरकारी खजाने में लूट-खसोट उसकी आदत रही है। खाली जमीनों पर सपाई गुंडों का कब्जा और महिलाओं- बेटियों में भय का माहौल पिछली सरकार की सबसे बड़ी पहचान रहा है।

'प्रोजेक्ट पर लगा पैसा सैफई सिंडिकेट का नहीं, जनता का है'

JPNIC पर कब्जे के लिए समाजवादी पार्टी ने एक कमेटी गठित की। उस कमेटी में अखिलेश यादव, डिंपल यादव, अखिलेश यादव के निजी सचिव, सपा के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी थे। प्रोजेक्ट को अपना अड्डा बना लिया था। एक महापुरुष के इस अपमान को डबल इंजन की सरकार स्वीकार नहीं कर सकती।

JPNIC में पैसा सैफई सिंडिकेट का नहीं, ये पैसा उत्तर प्रदेश की जनता का है। इस प्रोजेक्ट को सरकार ने जब समाजवादी पार्टी के हाथ से खींच लिया तो अब ये अ न र्गल प्रलाप कर रहे हैं।

> सीएम ने कहा- दंगों की बादशाह है सपा, कर्फ्यू उसकी पहचान और सरकारी खजाने में लूट-खसोट उसकी आदत

राजनाथ सिंह ने कल्याण सिंह से की योगी आदित्यनाथ की तुलना

सीएम योगी आदित्यनाथ के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा- याद कीजिए कि पहले की सरकारों के समय में देश की राजधानी तक में महिलाएं सुरक्षित नहीं थीं। उत्तर प्रदेश में मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि या तो कल्याण सिंह की हुकूमत थी या फिर योगी आदित्यनाथजी की हुकूमत है। कोई महिलाओं की तरफ देखने की जुर्रत करेगा तो यहां (जमीन पर) नहीं होगा, वहां (ऊपर) होगा।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की अर्धरात्रि में मथुरा के कारागार में जब नंदलाला का प्राकट्य हुआ, तब असत्य और अन्याय के अंधकार के बीच सत्य और धर्म का प्रकाश प्रस्फुटित हुआ। **भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं मन को आनंदित करने वाली कथाएं मात्र नहीं, बल्कि उनमें गहन आध्यात्मिक संदेश निहित हैं।** माखन चोरी में सहजता और निश्छलता, गोप-गोपियों के साथ उनकी आत्मीयता में प्रेम और समरसता तथा कालिय नाग के दमन में अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश मिलता है। **इस पावन अवसर पर आप सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (4 सितम्बर, 2026) की हृदय से शुभकामनाएं।**

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें बताता है कि समाज की शक्ति सामूहिक सहकारिता में निहित है। **गोवर्धन पर्वत धारण कर उन्होंने प्रकृति, पशुधन और कृषि-आधारित जीवन के संरक्षण तथा सामूहिक एकजुटता का संदेश दिया।** वृंदावन से लेकर बरसाना की राधारानी और नंदगांव की प्रेममयी स्मृतियों तक, ब्रज की धरती आज भी उस दिव्य चेतना को अपने कण-कण में संजोए हुए है।

श्रीकृष्ण कुलीनता के नहीं, समरसता के प्रतीक हैं। वे समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़े रहे। वे द्वारकाधीश हैं, तो सुदामा के आत्मीय मित्र भी। सांदीपनि ऋषि के आश्रम में उन्होंने ज्ञान अर्जित किया और सुदामा के साथ उनकी मित्रता ने बताया कि सच्चे संबंध पद, प्रतिष्ठा और संपन्नता से नहीं, आत्मीयता से बनते हैं। यही समरसता, समानता और आत्मीयता आज के समाज की आवश्यकता है।

योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें लोककल्याणकारी शासन की मूल भावना की प्रेरणा भी देता है। **अन्याय का प्रतिकार, धर्म की रक्षा, निर्बल का संरक्षण और लोकमंगल उनके जीवन-दर्शन के प्रमुख आधार रहे। आज इसी भाव के साथ हमारी सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है।** गरीबी मुक्त उत्तर प्रदेश, प्रतिभासंपन्न निपुण युवाओं को काम, अन्नदाताओं को सहारा एवं बेटियों को बेटों के समान आगे बढ़ने का अवसर, लोककल्याण की इसी भावना को धरातल पर उतारने का प्रयास हमारी सरकार कर रही है।

गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कर्म, ज्ञान और कर्तव्य का जो मार्ग दिखाया, वह केवल किसी एक युग के लिए नहीं है। दैनंदिन जीवन की प्रत्येक चुनौती में इससे बड़ा मार्गदर्शन शायद ही कुछ और हो। निष्काम कर्म, सत्य के प्रति निष्ठा और लोकमंगल की भावना हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है।

उत्तर प्रदेश की धरती श्रीकृष्ण की लीलाओं और संदेशों की पावन भूमि है। मथुरा, गोकुल, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और नंदगांव हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना के जीवंत केंद्र हैं। आइए, इस जन्माष्टमी पर अपनी विरासत के संरक्षण, सामाजिक समरसता और विकसित एवं गौरवशाली उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें तथा श्रीकृष्ण के सत्य, धर्म, कर्म और लोकमंगल के संदेश को अपने जीवन में उतारें।

आपका
योगी आदित्यनाथ

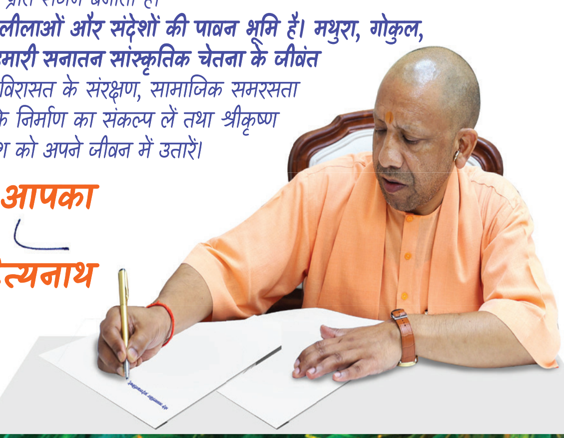

जय कन्हैयालाल की
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

फास्ट न्यूज

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर सीक्रेट चैटिंग कर रहे

श्रीनगर। पाकिस्तान में बैठे आतंकी सीक्रेट चैटिंग के लिए अब पोर्न वेबसाइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को बताया कि आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI इसका सबसे ज्यादा यूज कर रहे हैं।

अभियान अपील

युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं: मोदी

नई दिल्ली। मन की बात' का 137वां एपिसोड प्रसारित हो रहा है। पीएम ने कहा कि मन की बात नए प्रयासों सामने लाने का मंच है।

उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा।

पीएम ने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं और 'सूर्यपथ तिरंगा' के जरिए फिजी से लेकर दुनिया भर में तिरंगा शान से फहराया गया। फिजी के सुवा में सूर्य की पहली किरणों के साथ तिरंगा फहराया गया।

जयपुर- नीट पीजी के दौरान हंगामा, बार-बार बंद हुए कंप्यूटर

जयपुर । जयपुर में NEET PG-2026 परीक्षा के सीतापुरा के ION डिजिटल जोन सेंटर पर हंगामा हो गया। कैंडिडेट्स ने आरोप लगाया कि कंप्यूटर बार-बार बंद हुए, जिससे परीक्षा प्रभावित हुई। दो घंटे में 10 बार तक एग्जाम बाधित हुआ। छात्रों ने पेपर लीक की भी आशंका जताई है।

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे

6 इंच छेद कर पाइप से हवा पहुंचाई बाढ़ से अब तक 804 मौतें

रेस्क्यू

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू । नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है।

त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है।

अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशुली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी।

» (शेष पेज 06 पर)

- बाढ़ पीड़ितों के समर्थन में सद्गुरु और मनीषा कोइराला का कार्यक्रम
- नेपाल में 85 अमेरिकी नागरिक लापता

वकीलों के चैंबरों पर चला बुलडोजर

लखनऊ में सवा घंटे में 58 ध्वस्त किए गए, सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से किया था इनकार

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ जिला कोर्ट के आसपास बने वकीलों के अवैध चैंबरों पर बुलडोजर चला। रविवार शाम करीब 4:30 बजे पुलिस और प्रशासन के अफसरों की टीम मौके पर पहुंची। कुछ ही देर में नगर निगम की टीम भी 8 बुलडोजर और हाईवा के साथ पहुंच गई। शाम 5:10 बजे बुलडोजर से चैंबर तोड़ना शुरू किया गया। साथ ही इलाके की बिजली भी काट दी गई है। करीब सवा घंटे चली कार्रवाई के दौरान 58 अवैध चैंबर तोड़े गए।

» (शेष पेज 06 पर)

करीब सवा घंटे चली कार्रवाई में 58 अवैध चैंबर तोड़े गए। इनमें नाले के ऊपर बने चैंबर भी शामिल हैं। इससे पहले 17 मई को हुई कार्रवाई के दौरान यहां 14 चैंबर तोड़े गए थे।

बलरामपुर अस्पताल की तरफ से भी कार्रवाई शुरू

जिला अदालत के आसपास अवैध चैंबरों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अब बलरामपुर अस्पताल की तरफ से भी शुरू हो गई है। नगर निगम की टीम चैंबरों को हटाने में जुटी है। जिला अदालत के आसपास अवैध चैंबरों को हटाने की कार्रवाई के दौरान अब तक 10 चैंबर तोड़े जा चुके हैं। नगर निगम की टीम की कार्रवाई जारी है।

पुलिस ने लोगों को मौके से हटाया

जिला अदालत के आसपास चल रही कार्रवाई के दौरान पुलिस बल ने लोगों को मौके से हटाकर जगह खाली कराई। इसके बाद अवैध चैंबरों को हटाने की कार्रवाई जारी है।

शोक : 75 वर्ष की उम्र में जौनपुर में इलाज के दौरान निधन, चार दशक से अधिक समय तक पत्रकारिता में रहे सक्रिय

नहीं रहे पत्रकारिता के 'पितामह' डॉ. भूपेंद्र वीर सिंह गर्गवंशी

> हेमंत दूबे ने कहा कि वर्ष 1997-98 में स्वतंत्र भारत में डॉ. गर्गवंशी ब्यूरो चीफ थे और उसी दौरान उन्हें उनके साथ नगर संवाददाता के रूप में काम करने का अवसर मिला। उन्होंने उन्हें जीवंत लेखक और संवाद लेखन में अद्वितीय बताया।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले की पत्रकारिता के वरिष्ठ हस्ताक्षर और पत्रकारिता के पितामह कहे जाने वाले डॉ. भूपेंद्र वीर सिंह गर्गवंशी का शनिवार सुबह जौनपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर सामने आते ही पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार शनिवार शाम टांडा के महादेवा घाट पर किया गया।

अकबरपुर के गांधीनगर निवासी डॉ. गर्गवंशी मूल रूप से बेवाना थाना क्षेत्र के अहलादे गांव के रहने वाले थे। उनकी पत्नी डॉ. तारा सिंह कटेहरी क्षेत्र के एक निजी महाविद्यालय में प्राचार्या हैं। इकलौते पुत्र सोमेंद्र वीर सिंह बेवाना के कन्हैया विभूति स्मारक इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य हैं। भाई बृजेंद्र वीर सिंह प्रेस क्लब अंबेडकरनगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं। भतीजे सत्यम सिंह अमर उजाला के जिला स्तरीय संवाददाता हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

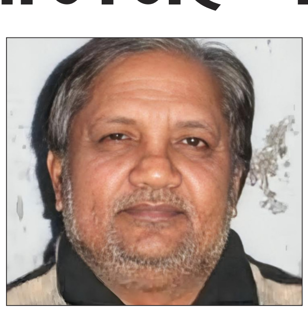

> निडर लेखनी और बेबाक अंदाज के लिए याद किए जाएंगे गर्गवंशी

घनश्याम भारतीय ने बताया अपना मार्गदर्शक

स्वदेश के संवाददाता घनश्याम भारतीय ने कहा कि डॉ. गर्गवंशी ने उन्हें समाचार पृष्ठ से संपादकीय पृष्ठ तक पहुंचने में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार के निधन की खबर से वह निःशब्द हैं। जिले से बाहर होने के कारण अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाने का उन्हें दुख है। उन्होंने डॉ. गर्गवंशी को पत्रकारिता की लेखनी का अमर सिपाही बताते हुए श्रद्धांजलि दी।

हेमंत दूबे बोले- पत्रकारिता में उनका अपना अलग अंदाज था

हेमंत दूबे के अनुसार प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उनका संवाद और बात रखने का अंदाज अलग पहचान रखता था। जनसामान्य की समस्याओं को समाचार पत्रों के माध्यम से सामने लाने और अधिकारियों से सीधे संवाद करने में वह सक्रिय रहते थे। उन्होंने कहा कि डॉ. गर्गवंशी पीत पत्रकारिता के धुर विरोधी थे।

'गंभीर मामलों में न्यायपालिका संसद का इंतजार नहीं करती'

सीजेआई बोले-डिजिटल अरेस्ट पर खुद संज्ञान लिया

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए तरह के फ्रॉड पर संसद के कानून बनाने का इंतजार करने के बजाय सक्रिय रूप से कार्रवाई करती है। उन्होंने शनिवार को लंदन में 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। CJI ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम पर स्वतः संज्ञान लिया है। इसमें ठग वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से धोखाधड़ी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से इस समस्या के स्तर का आकलन करने, अलग अपराध बनाने और नुकसान के अनुपात में सजा तय करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था।

» (शेष पेज 06 पर)

- आर्थिक अपराधों से निपटने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग : सीजेआई

अधिकारियों से बोले सीएम योगी, शीघ्रता और पारदर्शिता से हो जनता की शिकायतों का निस्तारण

परेशान मत हों, हर समस्या का कराएंगे प्रभावी समाधान : योगी

जनसेवा

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित अनुष्ठान 'जनता दर्शन' का क्रम जारी रखा। रविवार को भी उन्होंने करीब दो सौ लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आत्मीय भरोसा दिया। उन्होंने लोगों से कहा कि परेशान मत हों, हर शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का समाधान शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

गोरखपुर में लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

भोलू को दुलारकर बोले सीएम, कैसा हमेशा गुस्से में रहता है

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पारंपरिक दिनचर्या के अनुसार मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा भी की। मंदिर की गोशाला में रूठे से नजर आ रहे भोलू नाम के एक नंदी को सीएम योगी ने स्नेहिल भाव से खास तौर पर दुलारा। उन्होंने हाथ मे गुड़-रोटी लेकर भोलू को पुकारा और बोले, कैसा हमेशा गुस्से में रहता है। गोसेवा के दौरान मुख्यमंत्री ने भोलू सहित अन्य गोवंश और गायों को रोटी-गुड़ खिलाया।

मुझे गोरखपुर स्पेन लगता है, तुम अंधे हो : रवि किशन

सपा सांसद का पलटवार- बीजेपी में अंधों को ढूंढो

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । भाजपा सांसद रवि किशन ने गोरखपुर की तुलना स्पेन से की है। उन्होंने गोरखपुर में विकास और वहां की बदलती तस्वीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे गोरखपुर स्पेन जैसा लगता है। कोई आंख का अंधा है तो मैं क्या करूं।' उनके इस अंदाज पर सीएम योगी आदित्यनाथ, मंत्री स्वतंत्र देव, संजय निषाद हंसते नजर आए।

रवि किशन ने यह बयान शनिवार को बशारतपुर में नवनिर्मित कल्याण मंडपम के उद्घाटन के दौरान दिया था। सोमवार को वीडियो वायरल होने पर सोशल मीडिया यूजर्स रवि किशन को ट्रोल करने लगे।

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी पलटवार किया। उन्होंने कहा, अब पता नहीं कौन-कौन अंधे हैं, वो अपनी पार्टी में ढूंढे। कुछ लोगों को बनारस क्योटो लग रहा था, उन्हें गोरखपुर स्पेन लग रहा है, तो इसका तो कोई इलाज नहीं है। जनता सब जान रही है, गोरखपुर की भी जनता जान रही है। वहां पर सड़कों पर गड्ढे हैं, नहरें बन गई हैं, बोटिंग चल रही है। सड़कों पर भी बोटिंग हो रही है, गोरखपुर के लोग भी देख रहे हैं। रवि किशन भोजपुरी में बोल रहे थे। उन्होंने बगैर किसी का नाम लिए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- 'मुझे गोरखपुर पर गर्व है। हमके लगेला गोरखपुर स्पेन है। हमें लगेला गोरखपुर अद्भुत जगह है। हमें लगेला की गोरखपुर स्मार्ट सिटी हवे। मैं कई जगह गया हूं।

फास्ट न्यूज

गंगा-जी ने कराया लेटे हनुमान जी को स्नान

प्रयागराज । प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। संगम स्थित प्रसिद्ध श्री लेटे हनुमान मंदिर में भी गंगा का पानी पहुंच गया। रविवार सुबह करीब 3:45 बजे गंगा का पानी मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर गया। इसके साथ ही गंगा मां ने लेटे हनुमान जी को स्नान कराया। गर्भगृह में गंगा का पानी पहुंचते ही मंदिर परिसर में धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना शुरू हुई।

काशी से नेपाल के लिए प्रार्थना

वाराणसी । काशी में नेपाल के बाढ़ पीड़ितों के लिए विशेष प्रार्थना की गई है। विनाशकारी बाढ़ के बीच शांति और प्रार्थना का संदेश दिया गया। नेपाल में बाढ़ से जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति, घायलों और अस्वस्थ लोगों के जल्द स्वस्थ होने तथा नेपाल में फंसे भारतीय पर्यटकों की सकुशल वापसी के लिए वाराणसी में 11 ब्राह्मणों ने विशेष अनुष्ठान किया।

यह विशेष एक दिवसीय अनुष्ठान वाराणसी के सुदामापुर स्थित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर काली अवेयरनेस आश्रम में आयोजित किया गया।

इंस्पेक्टर चौक और राजातालाब लाइन हाजिर

वाराणसी। वाराणसी पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने शनिवार रात क्राइम मीटिंग के दौरान तीनों जोन के अफसरों को जमकर लताड़ लगाई। शहर से लेकर देहात तक पुलिस की लापरवाही से हुई फजीहत पर भी खूब बरसे। थानेदारों को मनमानी और अकर्मण्यता के बीच पुलिस कमिश्नर ने कई थानों से इंस्पेक्टरों को हटाकर पुलिस लाइन का रास्ता दिखाया।

बाराबंकी में घाघरा-सरयू का जलस्तर स्थिर, कटान तेज

खेतासराय में कई बीघे जमीन नदी में समाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी। घाघरा-सरयू नदी का जलस्तर रविवार दोपहर 3 बजे स्थिर रहा, लेकिन रामनगर, सिरौली गौसपुर और रामसनेहीघाट तहसील क्षेत्रों में कटान जारी है। खेतासराय गांव के पास तेज कटान के चलते कई बीघे जमीन नदी में समा चुकी है। कटान बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

ग्रामीणों का कहना है कि कटान को रोकने के लिए समय रहते ठोकर का निर्माण नहीं कराया गया तो नदी गांव की ओर बढ़ सकती है। इससे आसपास के क्षेत्रों में जलभराव का खतरा पैदा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कटान रोकने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। रविवार को तहसील प्रशासन ने बाढ़ खंड के अधिकारियों को कटान की जानकारी दी। दोपहर तक

अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने पर SDM बृजेन्द्र उपाध्याय ने नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी को घटनास्थल पर भेजा।

नायब तहसीलदार राजस्व टीम के साथ खेतासराय पहुंचे और कटान स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से नदी की स्थिति और कटान को लेकर जानकारी ली। लेखपाल को कटान से प्रभावित फसलों का आकलन कर क्षति की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन के अनुसार, नदी का पानी फिलहाल गांव से करीब 200 मीटर दूर है।

बंद स्कूलों को दोबारा शुरू कराएंगे : अखिलेश

बेटियों को कन्या विद्याधन देंगे, सिंगर हत्याकांड पर पूछा- बुलडोजर कब चलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । अखिलेश यादव ने रविवार को लखनऊ में कहा, हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि 26 हजार स्कूल दोबारा शुरू कराए जाएंगे। आपकी बेटियां पढ़ें, आगे बढ़ें और बेटियों को विद्याधन देने का काम करेंगे।

उन्होंने मेरठ के पूर्व SSP पर मारपीट का आरोप लगाने वाले सपा नेताओं मोहित जाटव और दिग्विजय भाटी को लखनऊ बुलाया। उन्होंने कहा- पुलिस कप्तान इनके साथ क्या व्यवहार कर रहे हैं? दिग्विजय भाटी के साथ जो हुआ है, कानून का राज होता तो IPS के खिलाफ 307 (हत्या का प्रयास) का मुकदमा दर्ज हो गया होता।

उन्होंने कहा-कानून का राज नहीं है, इसलिए इन्हें न्याय के लिए भटकना पड़ रहा है। ऐसे IPS

अधिकारी को नौकरी नहीं करने देनी चाहिए। इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। पुलिस का एक ही फॉर्मूला चल रहा है- हथेली गरम, पुलिस नरम।

मोहित जाटव और दिग्विजय भाटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। कहा- हम दोनों को पीटने के बाद SSP ने धमकायातुम्हारा एनकाउंटर करेंगे। दो-तीन किमी घुमाते रहे, तभी विधायक अतुल प्रधान आ गए। उन्होंने हम दोनों की जान बचाई। हमारी मांग है कि उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए।

अंकित बालियान हत्याकांड पर कहा- बुलडोजर कहां है

शामली के हरियाणी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड पर अखिलेश ने कहा- दूसरे प्रदेश के माफिया यूपी में आकर 18-18 राउंड गोली चला रहे हैं। बुलडोजर कहां है और कब चलेगा? उसके पिता, पत्नी और भाई न्याय मांग रहे हैं। लेकिन सरकार को कोई परवाह नहीं है।

ये मिलावटी लोग, सवाल करने पर मुंह फेर लेते हैं

पूरा देश जानता है कि सीता मां को चुराने वाला भी भेष बदलकर आया था। भिखारी भी मंदिर में चोरी नहीं करता। भाजपा अधर्मी गिरोह है। आपने वीडियो देखा होगा कि दुखी मां को किस तरह धमकाया जा रहा है। इन लोगों को न भगवान माफ करेंगे, न हम लोग माफ करेंगे। ये संकीर्ण सोच के लोग हैं। ये सवाल नहीं लेते, मुंह फेर लेते हैं।

> अखिलेश यादव ने गोरखपुर सांसद रवि किशन की तारीफ की। कहा- वो अच्छे आर्टिस्ट हैं। उनके कई सीरियल बहुत लोकप्रिय हैं। वह राजनेता के साथ-साथ अच्छे अभिनेता भी हैं। इसीलिए लोग उनके चुटकुले भी बहुत ज्यादा बनाते हैं।

कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट बेच दिया, डकैत-लुटेरा कौन है

कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट बेच दिया। जहां केवल गाय के दूध के ही प्रोडक्ट बनते हैं। लखनऊ में क्लार्क होटल के बगल में छतर मंजिल बेच दी। प्लासियो मॉल कमीशन लेकर बेच दिया। और भी बिल्डिंग बेचने की तैयारी कर रहे हैं। वो कीमती जमीन अपने स्वजातीय लोगों को बेच दी। जेब भरने के लिए आगरा-लखनऊ टोल अपने लोगों को दे दिया।

सिपाही ने 10 साल की बच्ची से रेप किया, फिर हत्या कर दी थी

घटना : पीड़ित परिवार को अखिलेश ने दिए 1 लाख

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में रविवार को सपा का प्रतिनिधिमंडल उसके घर पहुंचा। नेताओं ने परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और उन्हें ढांढस बंधाया। सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम और महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी दी गई। सपा नेताओं ने कहा कि पार्टी बच्ची के परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिया कि सपा की सरकार

बनने पर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मामला 28 जुलाई की रात का है। 10 साल की बच्ची गोरखपुर जिला अस्पताल में भर्ती अपनी बड़ी बहन को खाना देने आई थी। रात करीब साढ़े आठ बजे वह अस्पताल पहुंची और करीब 10 बजे बहन को खाना खिलाने के बाद घर के लिए निकल गई। काफी देर तक जब बच्ची घर नहीं पहुंची तो परिवार के लोग परेशान हो गए। बच्ची के पिता बच्ची की तलाश में जिला अस्पताल पहुंचे। उसने अस्पताल परिसर के साथ ही आसपास के कई स्थानों पर बच्ची को तलाश किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

पूछताछ में हत्या दुष्कर्म की बात सामने आई

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म करने और उसकी हत्या करने की बात स्वीकार की। उसने बच्ची का शव छिपाने की जानकारी भी पुलिस को दी। 30 जुलाई को पुलिस आरोपी को लेकर उस स्थान पर पहुंची, जहां उसने शव छिपाने की बात बताई थी। करीब 36 घंटे बाद बच्ची का शव नदी से बरामद किया गया।

नेताओं ने परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और उन्हें ढांढस बंधाया।

परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली

सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम और महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल बच्ची के घर पहुंचा। नेताओं ने परिजनों से बातचीत कर घटना की पूरी जानकारी ली। इस दौरान परिवार के लोगों ने बच्ची के साथ हुई घटना के बारे में बताया। सपा नेताओं ने कहा कि बच्ची के परिवार को न्याय दिलाने के लिए पार्टी उनके साथ खड़ी है। प्रतिनिधिमंडल ने परिवार को हर संभव मदद का भरोसा भी दिया।

बाराबंकी में अंतरजनपदीय चोर गिरोह का भंडाफोड़

3 गिरफ्तार, तीन ट्रैक्टर बैटरियां और चाकू बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के लोनीकटरा थाना पुलिस ने अंतरजनपदीय चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन ट्रैक्टर बैटरियां और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ट्रैक्टरों से बैटरियां चोरी करने की वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस की कार्रवाई 22 अगस्त की रात मंझूपुर स्थित रामपाल फील्ड भट्ठे से ट्रैक्टर की बैटरियां चोरी होने की घटना के बाद शुरू हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और संदिग्धों की तलाश में जुट गई।

जांच के दौरान मिली अहम जानकारी के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने ट्रैक्टर बैटरियां चोरी करने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर चोरी की तीनों बैटरियां बरामद कर ली गईं। 22 अगस्त की रात मंझूपुर स्थित रामपाल फील्ड भट्ठे पर खड़े ट्रैक्टरों से बैटरियां चोरी हो गई थीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद लोनीकटरा पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ संदिग्धों की गतिविधियों की जांच शुरू की। पुलिस को जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके आधार पर संदिग्धों की तलाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कार्यक्रम : कहा- आरोपों के कारण देशभर में पहचान मिली, अब उनसे नाराज नहीं हूं

हरियाणा की पहलवानों ने मुझे हीरो बनाया : बृजभूषण

तमसा संकेत, एजेंसी

नारनौल। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि हरियाणा की कुछ महिला पहलवानों के आरोपों से उन्हें देशभर में पहचान मिली, इसलिए वह उनसे नाराज नहीं हैं। रामायण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह कैकेयी के कारण राजा राम को भगवान राम के रूप में पहचान मिली, उसी तरह पहलवानों के आरोपों ने उन्हें भी पूरे देश में पहचान दिलाई। इन्होंने उत्तर प्रदेश से निकालकर हरियाणा में भी हीरो बना दिया।

भारतीय कुश्ती संघ (WFI) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह रविवार को महेंद्रगढ़ जिले पाथेड़ा गांव में इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी सचिन तंवर के राजस्थान पुलिस में DSP पद पर प्रमोट होने पर स्वागत समारोह में पहुंचे थे। बता दें कि बृजभूषण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इसी महीने की 3 तारीख को बरी कर दिया था।

उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन के समय CBI ने सबसे पहले उन्हें गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि 1996 में कांग्रेस की सरकार थी और उन पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने दाऊद इब्राहिम की मदद की है। उन्होंने कहा, "मैं जेल में बैठे-बैठे सोच रहा था कि दाऊद से मेरा कोई नाता नहीं है और नरसिंह राव ने मुझे जेल भेज दिया। बाद में मुझे पता चला कि मेरी पत्नी सांसद बनी, इसलिए मुझे जेल भेजा गया।"

बृजभूषण शरण सिंह महेंद्रगढ़ के पाथेड़ा गांव में कबड्डी खिलाड़ी सचिन तंवर के कार्यक्रम में पहुंचे थे।

> बृजभूषण सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, "मैंने अपने पांच भाइयों और एक जवान बेटे को चिता देने का काम किया है। मैंने अपने सामने अपना घर गिरते देखा है। मेरे ऊपर जो पहला मुकदमा दर्ज हुआ, वह मेरे ही घर को गिराने का था।"

पहले लाखों रुपए मिलते थे, अब चवन्नी का टोटा

बृजभूषण सिंह ने मंच से संबोधित करते हुए कहा, "पहले जिन महिला पहलवानों का विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मान होता था, अब उनकी स्थिति बदल गई है। पहले उन्हें लाखों रुपए मिलते थे, अब चवन्नी का भी टोटा हो रहा है। अब इन्हें कोई बुलाता भी नहीं। इन्होंने मुझे फेमस किया, इसलिए गुस्सा होने की जरूरत नहीं है।"

लौ-स्टूडेंट को सिर पर फरसा रॉड से हमला कर मार डाला

बुलंदशहर में 20 मिनट तक पीटने के बाद गोलियां चलाईं

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। बुलंदशहर में 22 साल के लॉ स्टूडेंट को लाठी-डंडे, लोहे की रॉड, फरसे और पत्थरों से पीटकर अधमरा कर दिया गया था। 20 अगस्त को हुई इस घटना के 9वें दिन 29 अगस्त की रात 10 बजे उसकी मौत हो गई। इस पूरी पिटाई का रविवार को वीडियो भी सामने आया था। वहीं, रविवार को लॉ स्टूडेंट अंकुर का शव उसके पैतृक गांव बगराई लाया गया। भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस मामले में पुलिस ने 7 नामजद और 6 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। 6 आरोपियों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस अब तक 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मामला जिला मुख्यालय से करीब 38 किलोमीटर दूर खुर्जा के बगराई गांव का है। बगराई गांव में रहने वाले अशोक चौधरी वकालत करते हैं। उनकी पत्नी बबली प्राइमरी स्कूल में प्रिंसिपल हैं। उनका इकलौता बेटा अंकुर LLB फाइनल ईयर का छात्र था। बड़ी बेटी अर्पिता (28) की शादी हो चुकी है। पिता अशोक ने बताया- 20 अगस्त की रात अंकुर मुरारी नगर में बिजलीघर नंबर-4 के पास दोस्तों के साथ बैठा था। तभी सेंट्रो कार और 2-3 बाइक से 11-12 लोग वहां पहुंचे और अंकुर को घेर लिया। उन लोगों ने करीब 20 मिनट तक अंकुर को बेरहमी से पीटा। बचाव में आए उसके दोस्तों पर तमंचे और पिस्तौल तान दी। फिर गोलियां चलाते हुए भाग गए। अंकुर के दोस्त अनिल ने बताया कि मैंने और अन्य लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो हमलावरों ने हथियार निकाल लिए। फायरिंग के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। अंकुर के सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा।

अंकुर चौधरी, मृतक

जिला कारागार में पहुंचीं डीएम-एसपी

अंबेडकरनगर जेल के औचक निरीक्षण में बंदियों से की बातचीत, भोजन-स्वास्थ्य और साफ-सफाई की ली जानकारी

जायजा

- अंबेडकरनगर जेल के औचक निरीक्षण में बंदियों से की बातचीत, भोजन-स्वास्थ्य और साफ-सफाई की ली जानकारी

बृजेंद्र वीर सिंह

सुरक्षा के साथ सुविधाओं पर भी नजर

डीएम और एसपी के औचक निरीक्षण में जेल की सुरक्षा, साफ-सफाई और बंदियों की सुविधाएं प्रमुख रूप से केंद्र में रहीं। अधिकारियों ने जेल प्रशासन से व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के साथ मौके पर स्थिति भी देखी।

बैरकों से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक खंगाली

निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने, प्रतिबंधित सामग्री की रोकथाम, नियमित निगरानी और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर रहा।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिला कारागार अंबेडकरनगर में शनिवार शाम उस समय अधिकारियों की सक्रियता बढ़ गई, जब डीएम ईशा प्रिया और एसपी प्राची सिंह ने अचानक जेल का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। औचक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरकों समेत जेल के अन्य हिस्सों को देखा। जेल प्रशासन से बंदियों की सुरक्षा, भोजन, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरी सुविधाओं की जानकारी ली गई। जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीएम और एसपी ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कारागार के भीतर किसी भी प्रतिबंधित सामग्री के पहुंचने की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। इसके लिए नियमित तलाशी और निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया गया। जेल प्रशासन को सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं में लगातार सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की साफ-सफाई का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने परिसर में नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बंदियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। जेल के अलग-अलग हिस्सों में सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

बंदियों से सीधे पूछा, कैसी मिल रही सुविधाएं

डीएम और एसपी ने निरीक्षण के दौरान बंदियों से बातचीत भी की। उनसे जेल में उपलब्ध सुविधाओं और किसी तरह की समस्या के बारे में जानकारी ली गई।

अधिकारियों ने बंदियों की बात सुनने के साथ जेल प्रशासन से व्यवस्थाओं की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। निरीक्षण का फोकस सुरक्षा के साथ बंदियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं पर रहा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दोहराया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प

जलालपुर में बूथों पर गूंजी 'मन की बात'

- 137वें एपिसोड में पीएम मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' पर दिया जोर, त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकरनगर। रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 137वें एपिसोड का लाइव प्रसारण सुना। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में त्योहारों को आपसी जुड़ाव का अवसर बताते हुए स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने जन्माष्टमी, विश्वकर्मा पूजा और दीपावली जैसे त्योहारों पर कारीगरों का सम्मान करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने लोगों से 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामान खरीदते समय यह देखने का प्रयास किया जाए कि वह भारत में बना हो। उनके मुताबिक आत्मनिर्भरता स्वदेशी उत्पादों के प्रति गर्व की भावना से मजबूत होगी।

कार्यक्रम का आयोजन नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि, मंडल अध्यक्ष सरिता निषाद, कृष्णा अग्रहरि, शुभम पांडेय, प्रवीण गौड़ और विनय सिंह के नेतृत्व में विभिन्न मंडलों में किया गया।

कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। इस दौरान स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा भी हुई।

फास्ट न्यूज

खून की कमी बनी ट्यूमर ऑपरेशन में बाधा

अंबेडकरनगर। मेडिकल कॉलेज में ट्यूमर के ऑपरेशन के लिए भर्ती एक गरीब महिला के सामने रक्त की कमी बड़ी चुनौती बन गई। महिला के शरीर में हीमोग्लोबिन कम होने के कारण ऑपरेशन में दिक्कत आ रही थी। ऐसे समय में मेडिकल कॉलेज में कार्यरत एमबीबीएस, एमएस डॉ. प्रिया सिंह ने रक्त की व्यवस्था कराने में मदद की। डॉ. प्रिया सिंह ने मेडिकल कॉलेज में महिला के लिए चार यूनिट रक्त निशुल्क उपलब्ध कराया।

रविवार को भी गांव की व्यवस्था पर नजर

बसखारी, अंबेडकरनगर। रविवार का अवकाश होने के बावजूद ग्रामीण विकास से जुड़ी व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए बसखारी विकासखंड के अधिकारी फील्ड में पहुंचे। ग्राम पंचायत बसहिया में एडीओ पंचायत उमाशंकर सिंह और ग्राम पंचायत सचिव पूजा चौरसिया ने गौशाला व पंचायत भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम प्रधान भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गौशाला में पशुओं की देखभाल, साफ-सफाई, चारा और पानी समेत अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों के अनुसार गौशाला में पशुओं की देखभाल और व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं।

जरूरतमंद बच्ची के लिए फिर आगे आए मुराद अली

अंबेडकरनगर। गाजी फाउंडेशन के अध्यक्ष मुराद अली ने एक जरूरतमंद बच्ची के लिए 46वीं बार रक्तदान किया। बच्ची को पहले भी दो यूनिट रक्त उपलब्ध कराया गया था। अब दोबारा रक्त की जरूरत पड़ने पर मुराद अली ने स्वयं रक्तदान किया।

बच्ची जिंदगी और मौत से जूझ रही थी। उसकी स्थिति को देखते हुए तत्काल रक्त की आवश्यकता थी।

खेल दिवस पर बच्चों को खेल के साथ कानून का पाठ

अधिकारों और सुरक्षा की दी जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जन शिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में विकासखंड जलालपुर के प्राथमिक विद्यालय मालीपुर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को खेलों के महत्व के साथ उनके अधिकार, सुरक्षा और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

सामाजिक कार्यकर्ता राम हित ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक विकास के साथ उनके व्यक्तित्व को भी मजबूत करते हैं। खेलों से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने अधिकारों की जानकारी होना भी जरूरी है। इससे वे शोषण, हिंसा और भेदभाव जैसी परिस्थितियों के खिलाफ आवाज उठा सकते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीलम वर्मा ने कहा कि विधिक जागरूकता का उद्देश्य केवल कानून की जानकारी देना नहीं है। बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सक्षम बनाना भी इसका हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को यह पता होना चाहिए कि किसी परेशानी या अन्याय की स्थिति में वे मदद और कानूनी संरक्षण प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालयों में ऐसे कार्यक्रम बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने में सहायक हैं।

नौकरी से उद्यम तकः मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से मिला पांच लाख का ऋण

सरकारी योजना से विकास चौधरी ने खड़ा किया अपना कारोबार

तमसा संकेत, संवाददाता

डिजिटल फ्लेक्स और प्रिंटिंग प्रेस यूनिट शुरू कर दो लोगों को दिया रोजगार

अंबेडकरनगर। हुनर और मेहनत को सही वित्तीय सहयोग मिले तो युवा नौकरी तलाशने के बजाय खुद रोजगार देने की राह पर बढ़ सकते हैं। अकबरपुर के पटेल नगर निवासी विकास चौधरी की कहानी इसी बदलाव का उदाहरण है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत वित्तीय सहायता मिलने के बाद उन्होंने अपना डिजिटल फ्लेक्स और प्रिंटिंग प्रेस कारोबार शुरू किया। अब उनकी यूनिट में दो अन्य लोगों को भी रोजगार मिला है।

पांडेय मार्केट, पटेल नगर निवासी विकास चौधरी पहले एक साधारण प्रिंटिंग प्रेस में काम करते थे। सीमित आय के कारण परिवार का खर्च चलाने में उन्हें कठिनाई होती थी। इसी दौरान उन्हें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी मिली।

योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने जिला उद्योग केंद्र, अंबेडकरनगर से संपर्क किया। अधिकारियों के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने व्यवसाय की योजना तैयार की। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहयोग और जरूरी मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। विकास चौधरी के मामले में योजना के तहत मिले ऋण से प्रिंटिंग व्यवसाय शुरू हुआ। इससे वह नौकरी करने से आगे बढ़कर अपना कारोबार संचालित कर रहे हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं।

खुद के रोजगार के साथ दो लोगों को भी काम

कारोबार शुरू होने के बाद विकास चौधरी ने सिर्फ अपने लिए रोजगार का साधन नहीं बनाया। व्यवसाय के विस्तार के साथ उनकी यूनिट में दो अन्य लोगों को भी रोजगार मिला है। इस तरह योजना से मिली वित्तीय सहायता उनके लिए स्वरोजगार का माध्यम बनी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी तैयार हुए।

पांच लाख रुपये के ऋण से शुरू किया कारोबार

विकास चौधरी ने को-ऑपरेटिव बैंक के माध्यम से डिजिटल फ्लेक्स और प्रिंटिंग प्रेस यूनिट स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपये के ऋण का आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उन्हें कारोबार शुरू करने के लिए वित्तीय सहयोग मिला। इसके बाद उन्होंने अपनी यूनिट स्थापित की और काम शुरू किया। वर्तमान में डिजिटल फ्लेक्स एवं प्रिंटिंग प्रेस यूनिट संचालित हो रही है।

- **विकास चौधरी ने कहा, "सरकार की इस योजना ने मुझे न केवल आर्थिक रूप से मजबूत किया है, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी दी है।"**
- **उन्होंने बताया कि भविष्य में कारोबार का और विस्तार करने का लक्ष्य है। इसके साथ अधिक लोगों को रोजगार देने की भी योजना है।**

3.38 करोड़ रुपये मंजूर, गोदामों की छत, फर्श, प्लास्टर, खिड़की और दरवाजों की होगी मरम्मत

अंबेडकरनगर की 34 बी-पैक्स समितियों का होगा कायाकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में सहकारिता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 34 बी-पैक्स समितियों के जीर्णोद्धार और मरम्मत को मंजूरी मिली है। इन समितियों के भवन और गोदाम लंबे समय से खराब हालत में थे। अब इनके जरूरी हिस्सों की मरम्मत कराई जाएगी। इन कार्यों के लिए कुल 338.05 लाख रुपये यानी करीब 3.38 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। यह पहल सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडेय की ओर से भेजे गए प्रस्ताव के बाद हुई है। स्वीकृति पाने वाली समितियों में भियांव ब्लॉक की पांच, जहांगीरगंज की तीन, बसखारी की चार, रामनगर की चार, अकबरपुर की पांच, कटेहरी की छह और जलालपुर की पांच समितियां शामिल हैं।

सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडेय ने 34 बी-पैक्स समितियों के लिए स्वीकृति मिलने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर का आभार जताया। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर खाद-बीज और अन्य कृषि सामग्री उपलब्ध कराने के साथ सहकारी समितियों को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि किसानों के हित और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सहकारिता क्षेत्र में आगे भी काम जारी रहेगा।

किसानों को सहकारी सुविधाएं मिलने में होगी सहूलियत

किसानों को मिलेंगी बेहतर सहकारी सुविधाएं

बी-पैक्स समितियां ग्रामीण सहकारिता व्यवस्था में अहम भूमिका निभाती हैं। इनके भवन और गोदाम दुरुस्त होने से किसानों को सहकारी ऋण, खाद-बीज और कृषि से जुड़ी अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी। इससे समितियों के कामकाज को भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

दो वित्तीय वर्षों में जारी होगी धनराशि

स्वीकृत राशि को दो वित्तीय वर्षों में रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 17 बी-पैक्स समितियों के लिए 168.05 लाख रुपये और वित्तीय वर्ष 2026-27 में 17 समितियों के लिए 170 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जिले में वर्ष 1980 से 1985 के बीच निर्मित 99 बी-पैक्स समितियों के गोदामों की हालत लंबे समय से खराब बताई गई थी। इनमें छत, प्लास्टर, फर्श, खिड़की और दरवाजों की मरम्मत की जरूरत थी।

राजभर का 'पीडीए' पर पलटवार राहुल अखिलेश की दोस्ती पर भी बड़ा दावा

ओपी राजभर बोले- राहुल गांधी सपा से बना रहे दूरी, अखिलेश रोज बदल रहे पीडीए की परिभाषा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश की सियासत में PDA को लेकर बयानबाजी के बीच मंत्री ओपी राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव के रिश्ते को लेकर भी बड़ा दावा किया। राजभर ने कहा कि दोनों की दोस्ती टूटने वाली है और राहुल गांधी सपा से किनारा कस रहे हैं। राजभर ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि राहुल गांधी को पता चल गया है कि सपा सत्ता में नहीं आ रही है। ओपी राजभर ने PDA की बदलती परिभाषा पर अखिलेश यादव को घेरा। उन्होंने कहा कि अखिलेश अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं, इसलिए रोज PDA की नई परिभाषा सामने ला रहे हैं।

राजभर ने अखिलेश यादव के सरकार में रहने के दौरान की राजनीति को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उस समय कार्यकर्ताओं को चोरी, छिनैती और डकैती का कल्चर सिखाया गया। राजभर ने सवाल उठाया कि अब दूसरों को नसीहत क्यों दी जा रही है। रक्षाबंधन पर मुस्लिम महिलाओं को 11 हजार रुपये देने के दावे को लेकर भी ओपी राजभर ने हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि 11 हजार रुपये देने की बात कही गई, लेकिन 11 रुपये थमा दिए गए। राजभर ने इस मामले में भी घोटाले का आरोप लगाया। 'सामंतवादी नहीं, खुद अपने PDA से घबरा रहे अखिलेश'

सपा के इस दावे पर कि PDA से सामंतवादी घबरा रहे हैं, राजभर ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सामंतवादी नहीं, बल्कि अखिलेश यादव खुद अपने PDA से घबरा रहे हैं।

अंबेडकरनगर में ओपी राजभर के बयान में सपा-कांग्रेस गठबंधन से लेकर PDA तक कई मुद्दे निशाने पर रहे। राहुल गांधी और अखिलेश यादव की दोस्ती पर उनके दावे ने यूपी की सियासत में गठबंधन की स्थिति को लेकर बयानबाजी को और धार दे दी है।

खेल दिवस पर गांव-गांव खेलों की धूम खिलाड़ियों ने ली खेल भावना की शपथ

तमसा संकेत, संवाददाता

- मेजर ध्यानचंद की जयंती पर विकासखंडों में दौड़, कबड्डी, वॉलीबाल और योगाभ्यास ग्रामीण स्टेडियम में 200 से 800 मीटर दौड़

अंबेडकरनगर। मेजर ध्यानचंद की जयंती पर युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से जिले में खेल दिवस मनाया गया। सभी विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में युवक और महिला मंगल दलों के साथ ग्रामीणों की सहभागिता से विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों में एथलेटिक्स, दौड़, कूद, रस्सी कूद, कबड्डी, वॉलीबाल, योगाभ्यास और पीटी समेत कई गतिविधियां हुईं। कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना रहा। विकासखंड कटेहरी के सरखने किशुनीपुर स्थित ग्रामीण स्टेडियम में बालक और बालिका वर्ग में 200, 400 और 800 मीटर दौड़ कराई गई। खिलाड़ियों ने अलग-अलग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया।

स्टेडियम परिसर में ओपन जिम के माध्यम से योगाभ्यास और पीटी भी कराई गई। इस दौरान खिलाड़ियों के साथ ग्रामीणों ने भी खेल गतिविधियों में सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद वंदे मातरम् का गायन किया गया। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों और ग्रामीणों को खेल शपथ भी दिलाई गई। खेल शपथ के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को अपनाने का संकल्प लिया।

चर्चा : जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजने का निर्णय

यूजीसी के मुद्दे पर अंबेडकरनगर में ब्राह्मण महासभा का प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की जिला इकाई की आवश्यक बैठक सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, शास्त्री नगर अकबरपुर में हुई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के संरक्षक डॉ. राम प्रताप मिश्रा ने की। संचालन उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी ने किया। बैठक में ब्राह्मण समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ यूजीसी से संबंधित विषय पर चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने सरकार की नीतियों को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राम प्रताप मिश्रा ने कहा कि ऋषि-मुनियों और मनीषियों ने समाज को एकजुट करने का काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें लगातार इस सामाजिक एकता को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से समय रहते अपनी नीतियों में सुधार करने की मांग की। साथ ही कहा कि समाज से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज करने का परिणाम सरकार को भुगतना पड़ेगा।

बैठक में यूजीसी समेत अन्य मुद्दों को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा जाएगा।

महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि आगामी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर संगठन स्तर पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

बैठक में महासचिव वागीश मिश्र, सचिव अरुण पांडेय, मीडिया प्रभारी अरविंद तिवारी, अनिल शुक्ला, ओंकारनाथ त्रिपाठी, दुर्गेश मिश्रा, जनार्दन पांडेय, विवेक दुबे, बजरंगी पाठक, सभासद रवि पांडेय, नरसिंह भगवान उपाध्याय, अनिरुद्ध तिवारी, राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, धर्मेंद्र प्रकाश मिश्रा, बृजेश पांडेय और शेषमणि दुबे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में समाज से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

'ब्राह्मण समाज के मुद्दों पर सरकार गंभीरता दिखाए'

जिला अध्यक्ष राजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि देश और प्रदेश में ब्राह्मण समाज पर लगातार अत्याचार हो रहा है, लेकिन सरकार इस पर मौन है। उन्होंने कहा कि इससे समाज में नाराजगी है। उन्होंने यूजीसी से संबंधित कानून को लेकर भी विरोध जताया। उनका कहना था कि इससे सामाजिक समरसता प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि इसी मुद्दे को लेकर समाज के युवा दिल्ली में आंदोलन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों का सम्मान, ट्रैक सूट देकर बढ़ाया हौसला

कटेहरी में 'खेल और खिलाड़ी' विषय पर गोष्ठी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को देव इंद्रावती महिला महाविद्यालय, कटेहरी के सभागार में 'खेल और खिलाड़ी' विषय पर गोष्ठी एवं खिलाड़ी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों को ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक कौस्तुभ सिंह ने मां सरस्वती और महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कौस्तुभ सिंह ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद ध्यानचंद ने मेहनत और टीम भावना के साथ देश को गौरवान्वित किया।

उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेल से अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास करने और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की अपील की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला ओलंपिक संघ के सचिव डॉ. राणा रणधीर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर अवसर और उचित मार्गदर्शन मिले तो उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने खिलाड़ियों से मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन जिला ओलंपिक संघ एवं हॉकी संघ के सचिव डॉ. हनुमान प्रताप सिंह ने किया।

सम्पादकीय

दुष्प्रचार का सहारा

लंबे समय से भाजपा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कठघरे में खड़े करते आ रहे राहुल गांधी ने यह कहकर इस संगठन के खिलाफ अपने हमलों को नए सिरे से धार देने की ही कोशिश की कि देश में संविधान और आरएसएस के बीच लड़ाई है। राहुल गांधी की ओर से आरएसएस पर नए सिरे से हमला यही बताता है कि वे भाजपा से अपनी राजनीतिक लड़ाई न जीत पाने की खीझ में उसके मातृ संगठन पर निशाना साधने में लगे हुए हैं।

वे लगातार यह समझाने का प्रयत्न कर रहे हैं कि भाजपा और आरएसएस संविधान का आदर नहीं करते और वे उसे खत्म करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने यह दुष्प्रचार पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के चार सौ पार के नारे के जवाब में शुरू किया था। यह सही है कि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों को आम चुनाव में इस दुष्प्रचार का चुनावी लाभ मिला, लेकिन उन्हें यह समझना होगा कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। संविधान की प्रति लहराकर कोई बात कहने से वह सच नहीं साबित हो जाती। चूंकि राहुल गांधी तथ्यों और तर्कों के स्थान पर दुष्प्रचार की राजनीति पर अधिक जोर देते हैं, इसीलिए उन्हें वैसी राजनीतिक सफलता नहीं मिल पा रही है, जिसकी वे अपेक्षा कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि वे और अधिक दुष्प्रचार की राजनीति का सहारा लेने लगे हैं।

राहुल गांधी ने संविधान और आरएसएस के बीच की लड़ाई के अपने आरोप को बल देने के लिए अनुसूचित जातियों पर अत्याचार और उनसे भेदभाव के मामलों का उल्लेख किया। ऐसा करते हुए उन्होंने यह संकेत करने की कोशिश की कि ये सारे काम भाजपा और आरएसएस के कारण हो रहे हैं। इससे यही पता चलता है कि वे न तो भाजपा की रीति-नीति से परिचित हैं और न ही आरएसएस की विचारधारा से।

यदि उन्होंने इस संगठन की कार्यप्रणाली को समझने की थोड़ी भी कोशिश की होती तो उन्हें पता चलता कि इसने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच जाकर कैसे कार्य किए हैं। इस संगठन के अनेक प्रकल्प तो अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के उत्थान के लिए ही चलाए जा रहे हैं। राहुल गांधी को यह भी पता होना चाहिए कि यदि भाजपा आज राजनीतिक रूप से कहीं अधिक सशक्त हो चुकी है तो इसका कारण समाज के सभी वर्गों और विशेष रूप से अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों तक उसकी पहुंच है।

राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस को अनुसूचित जाति विरोधी साबित करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उत्तराखंड दौरे के बाद उनके मंच के कथित शुद्धीकरण का जो मामला उठाया, वह इस तथ्य की अनदेखी को अधिक बयान करता है कि जिस संगठन ने यह काम किया, उसका भाजपा से कोई लेना-देना नहीं। स्पष्ट है कि तथ्यों को अपने हिसाब से मोड़ने से बात बनने वाली नहीं है।

ऊर्जा के उजास से आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ता प्रदेश

> 66
> विद्युत वितरण व्यवस्था में तकनीकी आधुनिकीकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। आरडीएसएस योजना के अंतर्गत 30 जून 2026 तक 92,90,143 उपभोक्ताओं के संयोजन पर स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं।

ऊर्जा किसी भी प्रदेश के विकास की वह आधारशिला है जिसके मजबूत होने पर उद्योगों को गति मिलती है खेतों को सिंचाई का संबल मिलता है घरों में रोशनी पहुंचती है और युवाओं के सपनों को उड़ान मिलती है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और विविधतापूर्ण प्रदेश के लिए विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करना अनिवार्य शर्त है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक सुधारों और दूरगामी नीतिगत निर्णयों के माध्यम से विद्युत उत्पादन पारेषण वितरण उपभोक्ता सुविधाओं और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन प्रयासों का मूल उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक निर्बाध गुणवत्तापूर्ण और सुलभ विद्युत पहुंचाना तथा ऊर्जा क्षेत्र को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र को केवल बिजली उत्पादन तक सीमित न रखते हुए इसे आर्थिक विकास और जनसुविधाओं के व्यापक अभियान के रूप में आगे बढ़ाया है। विद्युत उपकेंद्रों पर तैनात संविदा कार्मिकों और अधिकारियों को राजस्व वसूली के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसका उद्देश्य विद्युत उपकेंद्रों की राजस्व प्राप्ति बढ़ाने के साथ उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाना है। इसके परिणामस्वरूप राजस्व वसूली में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2021-22 में लगभग 70,531.26 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली हुई थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 83,564.35 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2023-24 में 1,03,600.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी 96,138.68 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली हुई। निश्चित तौर पर यह आंकड़े ऊर्जा क्षेत्र के वित्तीय प्रबंधन और राजस्व संग्रहण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाते हैं।

ब्लॉक स्तर तक सभी सरकारी संयोजनों पर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। लगभग 3,78,690 मीटर वितरण परिवर्तकों तथा सभी 11 केवी पोषकों में 26,984 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर व्यवस्था से उपभोक्ताओं को अपनी ऊर्जा खपत पर बेहतर नियंत्रण मिल रहा है। यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप के माध्यम से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत की निगरानी करने के साथ रिचार्ज और भुगतान भी कर सकते हैं। मीटर रीडर की आवश्यकता कम होने तथा बिलिंग में मानवीय हस्तक्षेप घटने से त्रुटिरहित बिल उपलब्ध कराने में भी सहायता मिली है।

स्मार्ट मीटर को अधिक उपभोक्ता अनुकूल बनाने के लिए डिस्कनेक्शन और री-कनेक्शन पर लागू 50 रुपये का शुल्क समाप्त कर दिया गया है। यह निर्णय उपभोक्ताओं के आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इसी प्रकार प्री-पेड स्मार्ट मीटरों को पोस्ट-पेड मोड में परिवर्तित करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उपभोक्ताओं को बिल जमा करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा और निर्धारित अवधि में भुगतान न होने पर सात दिन बाद संयोजन डिस्कनेक्शन के लिए अर्ह होगा। नए संयोजनों को भी पोस्ट-पेड मोड में उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इससे विद्युत उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा और विकल्प प्राप्त हो रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बुंदेलखंड क्षेत्र के ग्रामीण निजी नलकूप विद्युत उपभोक्ताओं को एकल फसल की सिंचाई के लिए सीजनल टैरिफ का लाभ तथा अस्थायी विद्युत संयोजन की सुविधा प्रदान की गई है। यह पहल विशेष रूप से किसानों के लिए उपयोगी है, क्योंकि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में समय पर और किफायती विद्युत आपूर्ति उत्पादन क्षमता को सीधे प्रभावित करती है। इसी क्रम में लगातार बढ़ती विद्युत दरों के बीच प्रदेश के उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2019-20 के बाद विद्युत दरों में वृद्धि नहीं की गई है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं तथा छोटे व्यवसायों को आर्थिक राहत मिली है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने नई दिशा निर्धारित की है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन एनर्जी टैरिफ को उपभोक्ताओं के लिए अधिक आकर्षक बनाया गया है। एचटी उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त ग्रीन एनर्जी टैरिफ को 0.36 रुपये प्रति यूनिट से घटाकर 0.34 रुपये प्रति यूनिट तथा एलटी उपभोक्ताओं के लिए 0.17 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। इससे हरित ऊर्जा के प्रति उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ने की संभावना है और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रदेश को नई शक्ति मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर लागू वर्तमान टैरिफ को राज्य परिवहन के लिए भी अनुमन्य कर दिया गया है। इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा और सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण अनुकूल बनाने में सहायता प्राप्त होगी। इसी तरह रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के लिए विद्युत दरों को मेट्रो रेल सेवाओं की दरों को समान किया गया है। इससे सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के लिए किफायती और सुगम ऊर्जा व्यवस्था सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था के विस्तार को देखते हुए सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं को राज्य सरकार द्वारा उद्योग का दर्जा दिया गया है तथा नीति के अनुरूप इन उद्योगों को औद्योगिक क्षेत्र में अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे उत्तर प्रदेश में तकनीकी निवेश को आकर्षित करने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने तथा प्रदेश को प्रौद्योगिकी आधारित विकास का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है।

उपभोक्ता सेवाओं में पारदर्शिता और त्वरित समाधान के लिए भी अनेक कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2025 तक 35 जोन और 75 मंडलों में सीजीआरएफ का गठन किया गया है, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निस्तारण किया जा रहा है। 17 अक्टूबर 2025 से ऑनलाइन सीजीआरएफ पोर्टल शुरू किया गया है। इससे उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज कराने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है। विद्युत बिलों को सरल बनाते हुए हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। डिजिटल बिलिंग के लिए ई-मेल व्हाट्सऐप अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का विकल्प देकर भौतिक बिल वितरण पर निर्भरता घटाई जा रही है।

विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं।

- आदर अदीब पावेल बन्धु

संभावनाओं का सिंधु

आत्मा रूपी जीव कर्म गती से मनुष्य भव में जन्म अपार सम्भावनायें लेकर के लेता हैं यह उसके पूर्व जन्म के कर्मों के आधार पर निर्भर करता हैं की उसका कैसे , किस तरीक़े से , कहाँ पर सही से सम्भावनाओ को भावों के रूप में प्राप्त करे । अगर व सकारात्मक तरीक़े से उसको ह्रदयागंम करे तो वो अपार सूखो को प्राप्त कर लेता हैं या संभावनाओं के सिंधु को पा लेता हैं परन्तु दूसरी और अगर व नकारात्मक तरीक़े से उसको ले तो दुःखों को प्राप्त करता हैं यह मानव की अपनी अपनी सोच , समझ पर निर्भर करता हैं । भगवान ने किसी के प्रति कहा की यह अभी के भावों के हिसाब से नरक में जायेगा और कुछ समय बाद उसके लिये कहा की यह अभी के भावों उच्च गति में जायेगा । यह परिवर्तन कैसे हुआ ? यह ऐसे हुआ की भावों में शुद्धता थी या सकारात्मकता थी तो उच्च गति वही दूसरी और भावो में नकारात्मकता आयी तो नरक । इस के इर्द - गिर्द ही मानव चलता रहता हैं । संभावनाओं का अर्थ भी यही हैं की मानव जीवन सकारात्मक व नकारात्मक भावों से निरन्तर गतिमान रहता हैं । सकारात्मकता से भव सिंधु को पा लेते हैं व नकारात्मकता से इसके उलट परिणाम हम देखते हैं । जीवन में हर बात भावनाओं से जुड़ी हैं । जहाँ हमारा आसक्ति का भाव वहाँ भारभूत होना स्वभाविक हैं और जैसे ही अनासक्त हुए वही हम हल्के। सजीव हो या निर्जीव हो या जिस से भी हम जुड़े यदि हमारी भावनाओं में सकारात्मक बिंदु है तो जीवन हर तरीक़े से अपार संभावनाओं का सिंधु है क्योंकि ये मोह का बंधन हैं ।भावनायें ही तो है जो दूर रहकर भी अपनों की नज़दीकियों का , दर्द का , प्यार का आदि हमें अहसास कराती हैं । जैसे ही हमारा मोह ख़त्म हुआ तो खोने का ड़र भी निकल जाता हैं चाहे वो दौलत हो वस्तु हो रिश्तें हो या फ़िर ज़िंदगी । अगर किया जाए संभावनाओ को टटोलकर सकारात्मकता से सही से निश्चय तो कोई संकल्प तो रहता है पक्का नहीं खोजता इसका कोई दूसरा विकल्प। क्योंकि यह एक किला है भावनाओं का दृढ संकल्प का जिसकी दीवाल फाँदी जाने की संभावना है अति अल्प।

› प्रदीप छाजेड़

दुनिया जलवायु संकट...

ललित गर्ग

अध्यात्म-जगत में एक नवीन युग-संभावना का उद्घाटन

कुछ घटनाएं इतिहास में दर्ज होती हैं और कुछ घटनाएं इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखती हैं। तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा मुख्य मुनि महावीर कुमारजी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में युवाचार्य मनोनीत किया जाना ऐसी ही घटना है। 27 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी को लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा परिसर में हुई यह घोषणा तेरापंथ की लगभग ढाई शताब्दी पुरानी आचार्य-परम्परा में एक नया अध्याय जोड़ने वाली है। लेकिन इस घटना को केवल एक धार्मिक संगठन के भावी नेतृत्व के निर्धारण के रूप में देखना इसके वास्तविक महत्व को सीमित करना होगा। यह मनोनयन साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा के एक ऐसे समन्वय की प्रतिष्ठा है, जो आने वाले समय में अध्यात्म को नई भाषा, नई दृष्टि और नया वैश्विक आयाम दे सकता है। तेरापंथ में युवाचार्य का पद किसी राजनीतिक या प्रशासनिक उत्तराधिकार जैसा पद नहीं है। यहां नेतृत्व अधिकार से नहीं, आत्मानुशासन से अर्जित होता है; प्रतिष्ठा पद से नहीं, साधना से मिलती है; और उत्तराधिकार किसी वंश का नहीं, विचार, मर्यादा, तप और आध्यात्मिक संस्कारों की निरंतरता

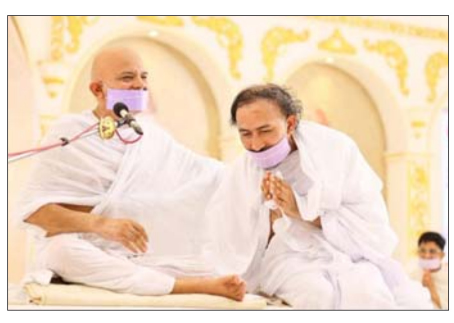

का होता है। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने इसी स्वस्थ परम्परा का निर्वाह करते हुए मुनि महावीर कुमार जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। इसलिए यह प्रश्न अधिक महत्वपूर्ण है कि मुनि महावीर कुमार जी कौन हैं और उनके युवाचार्यत्व में भविष्य के अध्यात्म की कौन-सी संभावनाएं दिखाई देती हैं? मुनि महावीर कुमार जी का जीवन इस प्रश्न का उत्तर स्वयं देता है। अल्पायु में दीक्षा ग्रहण करने से लेकर मुख्य मुनि जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व तक की उनकी यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है। यह आत्मसंयम, स्वाध्याय, तप, अनुशासन, चिंतन और निरंतर आत्मपरिष्कार की यात्रा है। उनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक साधक की गंभीरता के साथ आधुनिक समय को समझने वाले चिंतक की दृष्टि दिखाई देती है। यही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उनके जीवन का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि आध्यात्मिक साधना को उन्होंने ज्ञान से अलग नहीं माना। पर्यावरणीय चिंतन पर उनका शोध और जैन आगमों में पर्यावरणीय दृष्टि का अध्ययन यह संकेत देता है कि उनकी दृष्टि केवल परम्परा के संरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि परम्परा में निहित उन जीवन-मूल्यों को समकालीन विश्व की समस्याओं से जोड़ने वाली है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार उन्हें जैन आगमों में पर्यावरणीय चिंतन पर शोध के लिए पीएचडी उपाधि भी प्राप्त हुई है। यह तथ्य आज विशेष अर्थ रखता है। दुनिया जलवायु संकट, पर्यावरणीय असंतुलन, हिंसा, मानसिक तनाव और असीमित उपभोग की संस्कृति से जूझ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अपरिग्रह, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश केवल धार्मिक सिद्धांत नहीं रह जाता, बल्कि मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। यदि अध्यात्म आधुनिक समस्याओं के समाधान से जुड़ता है, तभी वह जीवंत और प्रभावी बनता है। युवाचार्य महावीर कुमार की संभावित भूमिका इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। उनका व्यक्तित्व हमें यह विश्वास दिलाता है कि आने वाला अध्यात्म केवल मंदिरों, उपाश्रयों और प्रवचन सभाओं तक सीमित रहने वाला अध्यात्म नहीं होगा। वह मनुष्य के मन, परिवार के संस्कार, समाज के चरित्र, पर्यावरण की रक्षा और वैश्विक सह-अस्तित्व से जुड़े प्रश्नों पर भी अपना प्रभाव डालेगा। आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा संकट बाहरी संसाधनों का नहीं, आंतरिक संतुलन का है। मनुष्य के पास ज्ञान बहुत है, लेकिन विवेक कम होता जा रहा है। सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। संपर्क के साधन बढ़े हैं, लेकिन आत्मीयता कम हुई है। स्वतंत्रता का विस्तार हुआ है, लेकिन आत्मानुशासन कमजोर पड़ा है। आर्थिक विकास ने जीवन को गति दी है, लेकिन उस गति की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ऐसे समय में अध्यात्म की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। मगर ऐसा अध्यात्म, जो जीवन से भागना नहीं सिखाए; बल्कि जीवन को अधिक जागरूकता, संयम, करुणा और उत्तरदायित्व के साथ जीना सिखाए।

बीज, सिंचाई ...

संजय कुमार

प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र से कृषकों की जरूरत के अनुरूप मिल रहा है उर्वरक

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का आधार कृषि है। प्रदेश के करोड़ों किसान अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं और कृषि उत्पादन को बेहतर बनाने में समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि निवेश की उपलब्धता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बीज, सिंचाई और कृषि यंत्रों के साथ रासायनिक उर्वरक भी फसल उत्पादन की आवश्यक जरूरतें है। ऐसे में किसानों को उनकी आवश्यकता के समय पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराना कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है। विशेष रूप से बुवाई और फसल की विभिन्न अवस्थाओं में उर्वरक की मांग बढ़ जाती है। यदि उस समय पर्याप्त उपलब्धता न हो तो किसानों को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों के अग्रिम भण्डारण और समयबद्ध वितरण की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वर्ष 2026-27 में सहकारिता क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना के लिए 15,000 लाख रुपये का बजट प्राविधान किया गया है। प्रदेश सरकार किसानों को कृषि सीजन के दौरान उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम स्तर पर तैयारी को महत्व दे रही है। अग्रिम भण्डारण का मूल उद्देश्य यही है कि किसान को उर्वरक की आवश्यकता उस समय हो, जब वह खेत में फसल की तैयारी और उत्पादन से जुड़े कार्य कर रहा हो, और उसी समय सहकारी व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके। कृषि में समय का विशेष महत्व होता है। किसान के लिए बुवाई का समय निकल जाने के बाद उपलब्ध संसाधन भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते। इसी प्रकार फसल की वृद्धि के विभिन्न चरणों में भी उर्वरक की आवश्यकता होती है। इसलिए उर्वरक की उपलब्धता केवल कुल मात्रा से नहीं, बल्कि उसके सही समय और सही स्थान पर उपलब्ध होने से जुड़ी है। सहकारी क्षेत्र में अग्रिम भण्डारण की व्यवस्था इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर कृषि इनपुट की आपूर्ति को पहले से व्यवस्थित करने का माध्यम बनती है। वर्ष 2026 में निर्धारित 20.45 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 30 जून 2026 तक 14.20 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी है। यह उपलब्धता निर्धारित लक्ष्य की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाती है। कृषि सीजन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पहले से उर्वरक की व्यवस्था किए जाने से सहकारी वितरण तंत्र को भी आवश्यक सामग्री उपलब्ध रहती है। इससे किसानों तक उर्वरक पहुंचाने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने में सहायता मिलती है। सहकारिता क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसकी संस्थाएं ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के निकट कार्य करती हैं। यही स्थानीय पहुंच उर्वरक वितरण व्यवस्था को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब उर्वरक का अग्रिम भण्डारण किया जाता है, तो उसे आवश्यकता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित की जा सकती है।

जरा हटके

प्रदेश सरकार के ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जनपद बलरामपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने महिला सशक्तिकरण ने खोले द्वार

प्रदेश सरकार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाली मातृशक्ति के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। सरकार का स्पष्ट विजन है कि ग्रामीण महिलाओं को केवल गरीबी के चक्र से बाहर ही नहीं निकालना है, बल्कि उन्हें राज्य की अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सक्रिय भागीदार भी बनाना है। प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर (एक लाख करोड़ डॉलर) की अर्थव्यवस्था बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य में ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता और उनकी आत्मनिर्भरता सबसे अहम भूमिका निभा रही है। इसी व्यापक उद्देश्य को साकार करने के लिए पूरे प्रदेश में महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के रूप में संगठित कर उनके कौशल और क्षमता को निखारा जा रहा है।

जनपद बलरामपुर इस सरकारी विजन और जमीनी बदलाव का एक अत्यंत उत्कृष्ट और जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है। जनपद बलरामपुर के ग्राम पंचायत मोहकपुर के मजरा सोनापुर की महिलाओं ने अपनी अथक मेहनत, सरकारी प्रशिक्षण और समूह की एकजुटता के बल पर स्वावलंबन की एक नई मिसाल कायम की है। कभी केवल घर की चारदीवारी और घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली यहां की महिलाएं आज अपने पारंपरिक हुनर को रोजगार का एक सशक्त साधन बना चुकी हैं। इन महिलाओं ने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के साथ-साथ समाज में अपनी एक नई और मजबूत पहचान स्थापित की है।

प्रदेश सरकार के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर बलरामपुर की इन महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों का बेहतरीन उपयोग करना सीखा। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के सहयोग से इन महिलाओं ने मुंज से डलिया, मौनी सहित अन्य अत्यंत उपयोगी और आकर्षक

पारंपरिक उत्पाद तैयार करने का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस बहुआयामी प्रशिक्षण के उपरांत महिलाओं ने संगठित होकर छोटे स्तर से अपने स्वरोजगार की नींव रखी। प्रारंभिक चरण में सोनापुर की इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को केवल स्थानीय बाजार में ही उतारा गया था। परंतु, जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई उत्पादों की उच्च गुणवत्ता और उनके आकर्षक डिजाइन के कारण बहुत ही कम समय में इनकी मांग में भारी वृद्धि दर्ज की जाने लगी। मांग बढ़ने के साथ ही उत्पादन और आपूर्ति की श्रृंखला को भी व्यवस्थित किया गया, जिससे इन महिलाओं के व्यवसाय को एक पेशेवर स्वरूप प्राप्त हुआ। आज बलरामपुर के इस समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में क्रांतिकारी बदलाव आ चुका है। जिन परिवारों की आय पहले अत्यंत सीमित और अनिश्चित थी, वहां आज हस्तशिल्प और कुटीर उद्योग के माध्यम से प्रत्येक महिला प्रतिमाह लगभग पंद्रह से बीस हजार रुपये तक की स्थिर आमदनी कर रही है। महिलाओं द्वारा पूरी लगन से तैयार की गई मुंज की डलिया बाजार में गुणवत्ता के आधार पर 150 रुपये से लेकर 700 रुपये तक के मूल्य पर आसानी से बिक रही है।

इन उत्पादों की पहुंच अब केवल स्थानीय हाट-बाजारों तक ही सीमित नहीं है। सरकारी मेलों, वृहद प्रदर्शनियों और जिला स्तर व राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों में भी इन महिलाओं के उत्पादों को बिक्री और प्रदर्शन के लिए प्रमुखता से स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है। इस शानदार सफलता के पीछे प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए तकनीकी प्रशिक्षण और जिला प्रशासन के निरंतर और सटीक मार्गदर्शन की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं को केवल उत्पाद बनाने की तकनीकी जानकारी ही नहीं दी गई, बल्कि उन्हें आधुनिक बाजार की मांग को समझने का भी कौशल सिखाया गया। इसके अतिरिक्त, उत्पादों की सुरक्षित और आकर्षक पैकिंग, बदलते समय के अनुकूल नए डिजाइन तैयार करने और बिक्री के आधुनिक तौर-तरीकों से भी उन्हें भली-भांति अवगत कराया गया। इसी सर्वांगीण मार्गदर्शन का परिणाम है कि आज बलरामपुर के स्थानीय हस्तशिल्प को एक बड़ा और लाभदायक बाजार सुलभ हो सका है। इस आर्थिक स्वतंत्रता ने महिलाओं के भीतर एक अभूतपूर्व आत्मविश्वास का संचार किया है। समूह से जुड़ी महिलाओं का स्पष्ट रूप से मानना है कि आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने के बाद उनके जीवन और परिवार के प्रति उनके दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आया है। आज वे न केवल अपने परिवार की दैनिक आर्थिक जरूरतों में बराबर का सहयोग कर रही हैं, बल्कि अपने बच्चों की उच्च शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और परिवार के अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में भी अपना सीधा और निर्णायक योगदान दे रही हैं।

जनपद बलरामपुर के सोनापुर की यह प्रेरणादायक कहानी केवल चंद महिलाओं की आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रदेश सरकार की उस दूरदर्शी नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है जिसके तहत पारंपरिक हुनर को रोजगार का मजबूत माध्यम बनाया जा रहा है। आज इन महिलाओं के हाथों से तैयार मुंज की डलिया और मौनी उनके हुनर, मेहनत और महिला सशक्तिकरण की एक बड़ी और सफल पहचान बन चुके हैं।

प्रदेश सरकार के आजीविका मिशन के अंतर्गत अब तक राज्य भर में लगभग एक करोड़ पांच लाख महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ चुकी हैं। ये करोड़ों महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखते हुए प्रदेश के विकास की मुख्यधारा में अपना सीधा और अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

आईएएस दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर अखिलेश यादव का तंज, सत्ता पक्ष की कार्यशैली पर कड़े सवाल खड़े किए

'ईमानदार अधिकारियों को काम नहीं करने दिया जा रहा'

तंज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। IAS दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि आज के माहौल में ईमानदार अधिकारियों को काम ही नहीं करने दिया जा रहा. भारी भ्रष्टाचार के चलते कई अफसर परेशान हैं और इसी वजह से लोग समय से पहले नौकरी छोड़ रहे हैं. दिव्या मित्तल ने 13 साल की सेवा के बाद इस्तीफा दिया, जिसकी जानकारी खुद सोशल मीडिया पर साझा की है.

इस दौरान अखिलेश यादव ने सरकारी संपत्तियों को बेचे जाने पर भी तीखा हमला बोला. उन्होंने लखनऊ के JPNIC और ऐतिहासिक छतर मंजिल का हवाला देते हुए कहा कि मौजूदा व्यवस्था में सब कुछ बेचने की तैयारी है. आरोप लगाया कि JPNIC की पार्किंग और कैफे तक से कमाई के रास्ते तलाशे जा रहे हैं. दरअसल, सरकार का यह मॉडल आम जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि चुनिंदा बड़े कारोबारियों की जेब भरने के लिए काम कर रहा है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने खंगार समाज के हक की बात भी उठाई. उन्होंने जाति जनगणना की मांग दोहराते हुए कहा कि आबादी के हिसाब से समाज को रोजगार और पूरा सम्मान मिलना चाहिए. यहां तक कि चुनावी मैदान में उतरने पर पार्टी की तरफ से पूरा समर्थन देने का भरोसा भी दिलाया. वहीं महिलाओं के सम्मान का जिक्र करते हुए उन्होंने बड़ा वादा किया. उन्होंने कहा कि पहले हमारी सरकार में महिलाओं को 500 रुपये दिए जाते थे, लेकिन सत्ता में वापसी होने पर यह रकम बढ़ाकर 40 हजार रुपये की जाएगी।

> अखिलेश यादव ने सत्ता पक्ष की कार्यशैली पर कड़े सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में खुली लूट मची हुई है, वहीं जनता की मुश्किलों का सरकार के पास कोई हल नहीं है. उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, बंद होते स्कूलों, चरमराई कानून-व्यवस्था और सरकारी संपत्तियों को बेचे जाने के मुद्दों पर भी जमकर हमला बोला

'रावण ने भी बहनों को ऐसा धोखा नहीं दिया', अखिलेश का यूपी सरकार पर हमला

दिव्या मित्तल के इस्तीफे का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि 'इस सरकार में ईमानदार अफसरों का टिकना मुश्किल हो गया है. उन पर इतना दबाव है कि वे रिटायरमेंट से पहले ही नौकरी छोड़ रहे हैं'. उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारियों को बिना किसी डर के काम करने का माहौल मिलना चाहिए. 13 साल की सर्विस के बाद इस्तीफा देने वाली दिव्या मित्तल ने भी अपनी पोस्ट में साफ किया कि पद भले चला गया हो, पर जनता का भरोसा और देश सेवा का सपना हमेशा कायम रहेगा।

मेरठ पुलिस पर भी उठाए सवाल

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मेरठ की घटना का जिक्र करते हुए अखिलेश ने पुलिस प्रशासन पर सीधा निशाना साधा. दरअसल, किसान नेता दिग्विजय भाटी और मोहित जाटव ने पुलिस हिरासत में थर्ड डिग्री टॉर्चर के गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके चलते एक इंस्पेक्टर को सस्पेंड भी किया जा चुका है. इसी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने पीड़ितों को सीधे अदालत जाने की सलाह दी. साथ ही यह भरोसा भी जताया कि अपनी सरकार बनने पर दोनों को पूरा न्याय और मान-सम्मान मिलेगा. इसके अलावा, इतनी गंभीर चोटें होने के बावजूद मेडिकल जांच में देरी किए जाने को उन्होंने बेहद आपत्तिजनक बताया।

बंथरा में नगवा नाले में डूबा क्लास10 का छात्र

दोस्त संग लगाई छलांग, गहरे पानी से निकल नहीं पाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के बंथरा में रविवार दोपहर दोस्तों के साथ नगवा नाले में नहाने गया 18 वर्षीय युवक डूब गया। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के कारण वह पानी में बह गया। ग्रामीणों और पुलिस ने कई घंटे तलाश की, लेकिन युवक का पता नहीं चल सका।

देर शाम तक एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर नहीं पहुंची, जिससे नाराज लोगों ने फतेहगंज-नारायण-पुर रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस ने समझाकर जाम खुलवाया।

कृष्णानगर के पंडित खेड़ा निवासी जितेंद्र का बेटा साहिल (18) क्लास-10 का छात्र है। रविवार दोपहर करीब 1 बजे अपने दोस्तों कृष्ण सिंह, आशु रावत और दो अन्य के साथ बाइक से बंथरा के खुर्रमपुर गांव पहुंचा था। सभी

नारायणपुर-फतेहगंज रोड पर नगवा नाला पुल के पास नहाने लगे।

दोस्तों के मुताबिक, साहिल का अचानक पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख आशु और कृष्ण ने बचाने की कोशिश की। दोनों तैरना जानते थे, इसलिए बाहर निकल आए, लेकिन साहिल को नहीं बचा सके। इसके बाद दोस्तों ने शोर मचाकर ग्रामीणों से मदद मांगी।

शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने भी काफी देर तक नाले में साहिल की तलाश की, लेकिन तेज बहाव के कारण उसका पता नहीं चला।

फास्ट न्यूज

88 साल पुराने कॉफी हाउस पर लटका ताला

लखनऊ । लखनऊ का 88 साल पुराना कॉफी हाउस अब बंद हो गया है। यहां पिछले 3 महीने से ताला लटक रहा है। इस कॉफी हाउस में यूपी की सियासत के लोगों की बैठकी होती थी, तो पत्रकार-साहित्यकार भी जमे रहते थे। मोबाइल फोन के जमाने से पहले पॉलिटिकल खबरें यहीं से निकलती थीं।

इस कॉफी हाउस की दीवारें यूपी की पल-पल की बदलती सियासी तस्वीरों की गवाह हैं।

शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष का चयन

लखनऊ। आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिए-शन (उ०प्र०) द्वारा रविवार को सर्वसम्मति से नरेश खारी को गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। यह मनोनयन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह कुशवाहा के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री उमेश कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। दादरी ब्लॉक स्थित कंपोजिट विद्यालय जोन समाना में कार्यरत नरेश खारी को संगठन की जिम्मेदारी सौंपा। प्रदेश महामंत्री उमेश कुमार पाण्डेय ने विश्वास जताया कि वे शिक्षामित्रों और संगठन के हित में पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

बदमाशों ने महिला से चेन-बाली लूटी

दुबग्गा । पारा क्षेत्र में रविवार दोपहर हरदोईया लाल नगर के पास पल्सर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने एक इको कार को रोककर उसमें सवार महिला के गले से सोने की चेन, बाली और मंगलसूत्र लूट लिया।वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। गादिन खेड़ा शिवरी निवासी शेरा यादव ने बताया कि रविवार दोपहर करीब तीन बजे वह अपनी मां सुनीता (45) और बहन निशा के साथ बाबूरिया खेड़ा स्थित अपनी ससुराल से इको कार से घर लौट रहे थे।

लखनऊ के विकास में सीएम योगी का सबसे बड़ा सहयोगः राजनाथ सिंह

केंद्र-राज्य की सोच एक दिशा में हो तो कई गुना बढ़ती है विकास की गति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में जो विकास कार्य हुए हैं, उसमें सबसे बड़ा सहयोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का है। उन्होंने वह सब किया, जो कहा था। लखनऊ के हर कार्य में उन्होंने दिल खोलकर सहयोग किया और समय-समय पर समीक्षा भी की। केंद्र व राज्य सरकार की सोच एक दिशा में होने पर विकास की गति स्वाभाविक रूप से कई गुना बढ़ जाती है। रक्षा मंत्री रविवार को मुख्यमंत्री के साथ लखनऊ छावनी के लिए करीब 101 करोड़ रुपये की 12 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं भूमि पूजन अवसर पर जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार, रक्षा मंत्रालय और उद्योग जगत मिलकर विकास के कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करता रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित भारत के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज से 10-12 वर्ष पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज भारत जब बोलता है तो पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़ी परियोजनाएं और आधुनिक इमारतें नहीं, बल्कि इसका मतलब है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, हर परिवार तक स्वच्छ पानी पहुंचे, युवाओं को खेलने और प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले और दिव्यांग बच्चों को यह महसूस न हो कि वे समाज से पीछे हैं।

लखनऊ में जयंत बोले- छोटे-छोटे मनमुटाव भुलाकर नए लोगों का पार्टी में स्वागत करें

जाति के नाम पर हिंसा फैलाने वालों से रहें सावधान : जयंत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि पार्टी के लोगों को छोटे-छोटे मनमुटाव भूलकर नए लोगों का स्वागत करना चाहिए। पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं के अनुभवों से सीखकर संगठन को और मजबूत किया जाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में विकास की बात हो रही है। ऐसे समय में कुछ लोग जाति के नाम पर समाज में हिंसा और विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। समाज की एकता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। ये बातें उन्होंने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में

आयोजित कार्यक्रम में कहीं। इस दौरान पूर्व एमएलसी प्रत्याशी बीके शुक्ला को पार्टी की सदस्यता दिलाई। रक्षा मंत्री से मुलाकात के दौरान हमारी बातचीत इस बात पर होगी कि डिफेंस कॉरिडोर और आईटीआई के माध्यम से युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर कैसे उपलब्ध कराए जा सकते हैं? आरएलडी प्रदेश अध्यक्ष कार्यकारी अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह के समय वाली पार्टी हम सबको बनाना है। हमें ऐसी मेहनत करनी है कि यूपी में आरएलडी के बिना सरकार न बने। प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने कहा कार्यकर्ता ही हम सबकी ताकत हैं।

> जयंत चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जिस तेजी से विकास हो रहा है, उसका लाभ युवाओं और रोजगार के क्षेत्र में भी मिलना चाहिए। इसी सिलसिले में हम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे। उत्तर प्रदेश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। देश में दो प्रमुख डिफेंस एक्सपो आयोजित किए जाते हैं, जिनमें से एक उत्तर प्रदेश में हो रहा है। डिफेंस कॉरिडोर के तहत झांसी से लेकर लखनऊ तक छह शहर जुड़े हुए हैं। हमारी कोशिश है कि इस क्षेत्र के विकास को और गति दी जाए।

जयंत चौधरी ने कहा कि अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। सरकार और प्रशासन की कार्रवाई पर लगातार नजर रखी जा रही है।

जयंत बोले- अंकित बालियान के परिवार के साथ खड़े हैं

हरियाणवी सिंगर अंकित बलियान की हत्या को लेकर राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह बेहद दर्दनाक और दुखद घटना है। मामले पर लगातार नजर रखी जा रही है। परिवार के साथ हर स्तर पर खड़े हैं। घटना के पहले दिन से ही रालोद के लोग परिवार के साथ मौजूद हैं। जिला प्रशासन भी मामले में संवेदनशीलता के साथ उचित कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश है कि परिवार को न्याय मिले और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले, फोन पर मरीजों से ली जाएगी इलाज और अस्पताल के बारे में जानकारी

योगी सरकार एआई आधारित वाइस बॉट से मरीजों से लेगी फीडबैक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक और नवाचार के इस्तेमाल को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नोडल स्टेट हेल्थ एजेंसी 'साचीज' द्वारा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए मरीजों के अनुभव और उनकी राय को महत्वपूर्ण आधार बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि साचीज आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए एआई आधारित वाइस बॉट विकसित किया जा रहा है। इसके जरिए मरीजों से फोन पर सीधे उनके इलाज और अस्पताल में मिले अनुभव की जानकारी ली जाएगी। इलाज के

दौरान उसे किसी तरह की परेशानी हुई या नहीं, अस्पताल में उपलब्ध सेवाएं कैसी रहीं और अस्पताल के कर्मचारियों का व्यवहार कैसा रहा। यह भी पता लगाया जा सकेगा कि योजना के तहत मिलने वाले उपचार के लिए मरीज या उसके परिवार से कोई अनधिकृत राशि तो नहीं ली गई। इलाज के बाद मरीज कितना संतुष्ट है, इसकी जानकारी भी फीडबैक के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। इस तरह मरीज की आवाज सीधे स्वास्थ्य महकमे तक पहुंचेगी और उसके अनुभव के आधार पर कमियों की पहचान करना आसान होगा। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि पहल का उद्देश्य मरीजों की प्रतिक्रियाओं में से उन मामलों की पहचान करना है, जिनमें आगे कार्रवाई की जरूरत है। एआई आधारित विश्लेषण के जरिए बड़ी संख्या में प्राप्त फीडबैक को व्यवस्थित किया जा सकेगा। यदि किसी मरीज द्वारा उपचार न मिलने, अनधिकृत शुल्क लेने, खराब व्यवहार या किसी अन्य समस्या की जानकारी दी जाती है, तो ऐसे मामलों को संबंधित संचालन टीमों तक पहुंचाया जा सकेगा। इससे शिकायतों पर कार्रवाई करने और अस्पतालों की निगरानी को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

सीएम योगी के निर्देश पर साचीज विकसित कर रहा एआई आधारित वाइस बॉट

> मरीजों के अनुभव बनेंगे सुधार का आधार
>
> एआई से इलाज के विश्लेषण, शिकायत निवारण, अस्पतालों की निगरानी और सुविधाओं के सुधार में मिलेगी मदद

मरीजों से फोन पर सीधे पूछा जाएगा अनुभव

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप एआई आधारित वाइस बॉट का उद्देश्य केवल मरीजों से फीडबैक लेना नहीं है, बल्कि उनकी प्रतिक्रियाओं का तकनीक की मदद से विश्लेषण कर ऐसी जानकारी सामने लाना है, जिस पर समय रहते कार्रवाई की जा सके। इससे अस्पतालों की निगरानी, शिकायतों के समाधान, ऑडिट और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि एआई वाइस बॉट के माध्यम से इलाज करा चुके मरीजों से फोन पर बातचीत कर उनके अनुभव के बारे में जानकारी ली जाएगी। मरीज से यह पूछा जा सकेगा कि उसे अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत उपचार मिला या नहीं।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के 223 छात्रावासों का कायाकल्प

योगी सरकार ने मंजूर किए 12.45 करोड़

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के सभी 223 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों के रखरखाव, मरम्मत और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 12.45 करोड़ रुपये की बजट स्वीकृति प्रदान की गई है। सरकार की इस पहल से छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और अध्ययन के अनुकूल वातावरण मिलने की उम्मीद है।

छात्रावासों में विद्यार्थियों की क्षमता के आधार पर रखरखाव और मरम्मत के लिए धनराशि जारी की जाएगी। इसके तहत 50 विद्यार्थियों की क्षमता वाले छात्रावासों को प्रति छात्रावास पांच लाख रुपये तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इससे छात्रावासों की जरूरत के अनुसार आवश्यक सुधार कार्य कराए जा सकेंगे। स्वीकृत बजट से छात्रावासों में पेयजल व्यवस्था को बेहतर करने, विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं सुधार, शौचालयों की मरम्मत, रंग-रोगन तथा सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े जरूरी कार्य कराए जाएंगे।

- रखरखाव व मरम्मत के लिए स्वीकृत की धनराशि, विद्यार्थियों को मिलेगा सुरक्षित और बेहतर आवासीय वातावरणः राज्यमंत्री असीम अरुण
- पेयजल, बिजली, शौचालय, रंग-रोगन, सुरक्षा व सफाई आदि सुविधाओं पर होगा फोकस
- गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरे होंगे कार्य, पढ़ाई के अनुकूल बनेगा छात्रावासों का माहौल

चर्चा : आईआईटी-आईआईएम पास, 4 महीने से साइडलाइन थीं, अफसर पति भी इस्तीफा दे चुके हैं

चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल ने इस्तीफा दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी की चर्चित IAS दिव्या मित्तल (43) ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। अभी वह लखनऊ में राजस्व विभाग में विशेष सचिव हैं। दिव्या ने मुख्य सचिव एसपी गोयल को इस्तीफा भेज दिया। रविवार सुबह उन्होंने फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी।

दिव्या मित्तल का अचानक इस्तीफा ब्यूरोक्रेसी में सुर्खियों में है। इस्तीफा क्यों दिया, यह स्पष्ट नहीं है। चर्चा है कि 4 महीने से वह साइडलाइन थीं। फील्ड पोस्टिंग चाहती थीं। 2013 बैच की दिव्या 13 साल से नौकरी कर रही थीं। अभी उनकी 17 साल की नौकरी बची थी।

IIT दिल्ली से बीटेक और IIM बेंगलुरु से एमबीए की डिग्री लेने के

बाद लंदन में नौकरी की। लाखों रुपए की नौकरी छोड़कर वह वापस आईं। दो साल में दो बार यूपीएससी क्लीयर किया। पहली बार में IPS बनीं। फिर अगले साल IAS बन गईं। दिव्या के पति गगनदीप सिंह भी 2011 बैच के भारतीय व्यापार सेवा (ITS) अफसर हैं। 2022 में वह भी अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। गगनदीप ने अपनी एक कंपनी 'न्यूरोकैप' बनाई है। यह कंपनी देश-विदेश से ट्रेडिंग का काम करती है।

> दिव्या मित्तल का मिर्जापुर डीएम के रूप में कार्यकाल सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। 19 सितंबर 2022 को दिव्या मिर्जापुर की डीएम बनीं। वह 12 महीने तक मिर्जापुर की डीएम रहीं। उनकी पहल से लहुरियादह गांव में पहली बार पानी पहुंचा। यह उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में रही। इस गांव का जिक्र उन्होंने इस्तीफे के बाद लिखी पोस्ट में भी किया है।

IAS दिव्या मित्तल और उनके पति गगनदीप सिंह। दोनों लंदन में लाखों के पैकेज की नौकरी छोड़कर भारत आए थे। उनकी दो बेटियां हैं- अद्विका और अव्याना।

पोस्ट में इस्तीफे की वजह का जिक्र नहीं चुनाव लड़ने समेत 3 चर्चाएं

युवा IAS के लिए शासन में विशेष सचिव, राजस्व का पद बहुत हल्का और साइडलाइन माना जाता है। दिव्या को फील्ड में काम करना पसंद था। चर्चा है कि वह नाराज थीं।

दिव्या के पति गगनदीप ने नौकरी छोड़ने के बाद बिजनेस शुरू किया था। दिव्या पति के साथ बिजनेस में जा सकती हैं। चर्चा ये भी है कि दोनों पति-पत्नी लखनऊ में आईएएस तैयारी की कोचिंग शुरू कर सकते हैं। दिव्या ने UPSC की तैयारी को लेकर एक किताब भी हाल ही में लांच की है।

यूपी में स्वाइन फ्लू से मौत पर अलर्ट, डॉक्टरों को प्रशिक्षण

पांच हजार टैबलेट का ऑर्डर इन मरीजों की जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । स्वाइन फ्लू से पहली मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। इसमें गंभीर लक्षण मिलने वाले मरीजों की ही स्वाइन फ्लू जांच के आदेश दिए गए। इलाज के लिए टैमीफ्लू की पांच हजार टैबलेट शासन से मांगी गई है।

सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली और लखनऊ में स्वाइन फ्लू के मामले बढ़ने पर तैयारी की जा चुकी हैं। एसएन और जिला अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बना हुआ है। शासन से आई गाइडलाइन के बारे में सीएचसी प्रभारियों के साथ ऑनलाइन बैठक

कर बता दिया है। इसमें सांस उखड़ने, छाती में दर्द होने समेत अन्य गंभीर लक्षण होने पर ही जांच कराने को कहा है। इसकी सूचना भी देनी होगी। आईएमए को भी गाइड-लाइन भेजी है, जिसमें पैथोलॉजी की जांच में स्वाइन फ्लू की पुष्टि होने, अस्पताल में मरीज भर्ती होने की जानकारी देनी होगी।

नोडल अधिकारी डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति ने बताया कि स्वाइन फ्लू सामान्य वायरल फीवर है। अन्य बीमारी से ग्रसित, गंभीर लक्षण या फिर दिल्ली से यात्रा करके आए हैं तो ऐसी स्थिति में जांच करानी है। स्वाइन फ्लू का मरीज मिलने पर कंट्रोल रूम के 9458569043 और 0562-260412 (सुबह 10 से शाम पांच बजे तक) पर जानकारी दे सकते हैं।

मेरठ में 150 लोगों की भीड़, 500 पुलिसवालों ने घेरा, ललिता गौतम के पिता बोले- राजनीति हो रही

दलित महापंचायत में दरोगा पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में रविवार को दलित महापंचायत बुलाई गई। ये महापंचायत दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड और प्रदर्शन के दौरान पिटाई, गिरफ्तारी और मुकदमे के खिलाफ थी। युवा शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि गौतम ने कहा- यहां आने वाले मेरे हजारों समर्थकों को जिले की सीमाओं पर पुलिस ने रोका है। नेताओं को हाउस अरेस्ट किया है। उन्होंने कहा- दलित छात्रा के परिवार को न्याय मिले। प्रदर्शन करने वालों को पीटने वाले पुलिस अफसरों पर कार्रवाई हो। प्रदर्शन

करने वालों पर दर्ज केस वापस हों, वरना अनिश्चिकालीन भूख हड़ताल करेंगे।

महापंचायत के दौरान कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब कुछ युवा पार्क की दीवार फांदकर बाहर की ओर दौड़ पड़े। पुलिस ने तुरंत उन्हें घेर कर रोक लिया। उन्हें चेतावनी दी कि सड़क जाम कम करना। महापंचायत में आ रहे कुछ युवकों ने दरोगा पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। आज महापंचायत में उस तरह की भीड़ नहीं जुट पाई, जिसकी संभावना रवि गौतम ने की थी। जिस तरह से वो पिछले 4 दिन से महापंचायत की बात कहकर लगातार सोशल मीडिया पर आ रहे थे। दलित समाज का कोई बड़ा नेता या चेहरा पंचायत में नहीं आया है। करीब 150 लोग ही जुट पाए, इससे ज्यादा तो करीब 500 पुलिस और RAF के जवान तैनात रहे। फोर्स ने ड्रोन से पूरे क्षेत्र की निगरानी रखी।

एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने ड्यूटी से गायब 7 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अनाउंसमेंट कर भीड़ से कहा कि किसी के बहकावे में मत आइए। कोई भी यहां मेरठ की शांति व्यवस्था, कानून व्यवस्था भंग करने का प्रयास न करे। कोई पुलिसवाला भी बदतमीजी नहीं करेगा।

महापंचायत में करीब 150 लोग पहुंचे थे, उससे ज्यादा करीब 500 पुलिस, RAF और PAC के जवान तैनात रहे।

रविवार सुबह 10 .30 बजे से महापंचायत शुरू हुई थी जो लगभग शाम 5 बजे खत्म हुई।

रवि गौतम बोले- 3 दिन में पुलिस वालों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भूख हड़ताल करेंगे

रवि गौतम ने SP सिटी विनायक गोपाल भोसले और एडीएम सिटी को मंच से अपना ज्ञापन दिया। सुबह 10.30 बजे से महापंचायत शुरू हुई थी जो लगभग शाम 5 बजे खत्म हुई। रवि गौतम ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा- जब तक तत्कालीन SSP अविनाश पांडेय पर मुकदमा नहीं होगा, अन्य पुलिसकर्मियों पर एक्शन नहीं होगा, उनका धरना इसी तरह चलता रहेगा। पुलिस, प्रशासन को इस एक्शन के लिए 3 दिन का समय दिया है। अगर तीन दिन में एक्शन नहीं हुआ तो भूख हड़ताल करेंगे। महापंचायत में समता मूलक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जाटव, समाजवादी पार्टी एससी एसटी प्रकोष्ठ से राहुल भारती, किशन सिंह जाटव, पीतांबर सिंह प्रजापति, भारतीय किसान यूनियन चढूनी प्रदेश अध्यक्ष मनोज भदौरी, लवी प्रधान, सागर लिसाड़ी, गौतम, ऋतिक जाटव, कमल प्रधान, शैंकी ने संबोधित किया। महापंचायत का संचालन अजय प्रधान एडवोकेट और गोपाल प्रधान ने किया।

आगरा में हुई कोचिंग संचालक की जलकर मौत

पड़ोसियों ने समझा पूजा-पाठ का धुआं निकल रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा में शनिवार रात एक मकान में आग से जलकर कोचिंग संचालक की मौत हो गई। रविवार सुबह करीब 8 बजे कामवाली ने दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। उसने मकान मालिक को जानकारी दी। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो बुजुर्ग का शव बेड पर पड़ा मिला। कोचिंग संचालक विनय बोस मूल रूप से जगदलपुर, छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। विनय अपने छोटे भाई सुनील बोस के साथ फरवरी 2026 से सेक्टर-10 स्थित कृपाल सिंह के मकान में किराए पर रह रहे थे। दोनों भाई न्यू साईं एजुकेशन ट्यूशन एकेडमी के नाम से इंग्लिश स्पीकिंग समेत अन्य विषयों की कोचिंग चलाते थे।

घटना के समय विनय घर में अकेले थे। पुलिस के मुताबिक

उनका छोटा भाई सुनील बोस रक्षाबंधन के कारण आगरा से बाहर गया हुआ था। इसलिए घटना के वक्त घर में विनय के अलावा किसी अन्य व्यक्ति की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक दोनों भाइयों की कॉलोनी में लोगों से ज्यादा बातचीत नहीं थी। आसपास के लोगों को यह भी जानकारी थी कि दोनों यहां कोचिंग का संचालन करते थे। पड़ोसियों के मुताबिक, एक महिला सुबह-शाम दोनों भाइयों के घर टिफिन देने आती थी। दोनों भाई उसे अपनी भांजी बताते थे। शनिवार शाम के बाद से वह महिला भी दिखाई नहीं दी।

फास्ट न्यूज

सात मंजिला निर्माणाधीन इमारत के पिलर दरके

कानपुर। कानपुर के चमनगंज स्थित मठिया वाला हाता में 7 मंजिला निर्माणाधीन इमारत के पिलर दरक गए। बारिश के बीच इमारत एक तरफ झुक गई, जिससे आसपास रहने वाले 35-40 परिवारों की जान पर खतरा मंडराने लगा। खतरे को देखते हुए केडीए की टीम मौके पर पहुंची और निर्माणाधीन भवन को सील कर दिया। वहीं, नगर निगम ने हाते में रहने वाले परिवारों के मकानों पर नोटिस चस्पा कर उन्हें घर खाली करने के निर्देश दिए।

नेशनल हाईवे पर ट्रक डिवाइडर तोड़कर युवक पर चढ़ा

आगरा। आगरा के एत्माद्दौला थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर रविवार दोपहर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। गोयल हॉस्पिटल के सामने 16 चक्का ट्रक का टायर फटने से वह बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। रेलिंग तोड़कर दूसरी तरफ पहुंचे ट्रक की चपेट में सड़क पार करने के लिए खड़े दो लोग आ गए। इनमें नुनिहाई निवासी संजय निषाद की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव सड़क पर रख दिया। जिससे हाईवे पर यातायात प्रभावित हो गया।

प्रसूता की मौत के बाद हॉस्पिटल में हंगामा

आगरा। आगरा के थाना ट्रांसयमुना क्षेत्र के टेढ़ी बगिया स्थित जलेसर मार्ग पर स्थित सरोज हॉस्पिटल में शनिवार को प्रसव के बाद प्रसूता की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। शव को तीन घंटे तक सड़क पर रखा। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद परिजनों को शांत कराया।

पुलिसवालों पर पत्थरबाजी 2 इंस्पेक्टर के सिर फूटे

महिला की मौत के बाद सड़क जाम की

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में शनिवार को एक महिला का शव फंदे पर लटका मिला था। महिला के मायकेवालों ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। रविवार शाम 5.45 बजे पोस्टमॉर्टम के बाद शव कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया।

पुलिस ने जाम खुलवाने और प्रदर्शनकारियों को समझाने का कोशिश की, लेकिन लोग भड़क गए। इसी दौरान कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। इसमें दो इंस्पेक्टर और एक दरोगा घायल हो गए। पथराव के बाद अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा और हाईवे से जाम खुलवाया। वहीं, घरवाले शव लेकर भाग गए। सूचना पर एडीसीपी, एसीपी समेत 4 थानों की पुलिस

माला, मृतक

मौके पर पहुंची। घटना महाराजपुर थाना क्षेत्र की है।

शेखपुर गांव निवासी माला (32) की शादी करीब 8 साल पहले लालूखेड़ा गांव के रहने वाले मुन्ना निषाद से हुई थी। दोनों के 2 बच्चे- बेटा रुद्रा और बेटी वैष्णवी हैं। मायकेवालों के मुताबिक, शनिवार के माला की तबीयत खराब थी। माला के ताऊ का बेटा शनि उसे दवा दिलाने के बाद दोपहर करीब 3 बजे ससुराल छोड़कर आया था।

शनि ने बताया कि माला को ससुराल छोड़ने के करीब एक घंटे बाद जीजा मुन्ना का फोन आया।

400 से अधिक यात्रियों का सुरक्षित और सुगम परिवहन सुनिश्चित किया

उत्तर रेलवे ने शिमला-कालका रेल खंड पर हुए भूस्खलन पर त्वरित कार्रवाई की

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली । शिमला-कालका (SML-KLK) यूनेस्को विश्व धरोहर रेल खंड पर स्थित कोटी और घुम्मन स्टेशनों के बीच पुल संख्या 57 (किमी 7/16-17) के पास कल हुए भूस्खलन के बाद, उत्तर रेलवे के कर्मचारियों ने एक त्वरित और निर्बाध बचाव अभियान चलाकर यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा से बचाया।

खान-पान और ऑन-ग्राउंड देखभालः कालका स्टेशन पहुंचने पर सभी यात्रियों को 250 ताजे भोजन के पैकेट और पानी की बोतलें वितरित की गईं।

आगे की यात्राः जहां स्थानीय यात्री आराम से अपने गंतव्यों के लिए रवाना हो गए, वहीं लगभग

120 यात्रियों को ट्रेन संख्या 13052 में समायोजित किया गया, जिसे निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से 01:30 बजे के लिए पुनर्निर्धारित (रीशेड्यूल) किया गया था। उत्तर रेलवे के कर्मचारियों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई, कुशल व्यवस्था और सहानुभूति-पूर्ण देखभाल के कारण पूरा अभियान बिना किसी यात्री शिकायत या कालका स्टेशन पर रिफंड के अनुरोध के सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

उत्तर रेलवे अप्रत्याशित मौसमी चुनौतियों के दौरान भी यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्थानीय परिचालन टीमों को मुस्तैद किया गया

श्री विपिन पौडवाल (CMI/KLK) और श्री दर्शन सिंह गिल (CMI/SML) के प्रत्यक्ष समन्वय में, बिना किसी देरी के स्थानीय परिचालन टीमों को मुस्तैद किया गया।

सड़क वाहनों की व्यवस्थाः रेलवे कर्मचारियों ने सोलन, कोटी और धर्मपुर हिमाचल से फंसे हुए यात्रियों को लाने के लिए 7 वाहनों (5 बड़ी बसें और 2 टेम्पो ट्रैवलर) के एक विशेष बेड़े का प्रबंध किया। सुरक्षित एस्कॉर्ट :लगभग 391 यात्रियों, 40 ट्रेन क्रू और IRCTC कर्मियों को सुरक्षित रूप से कालका स्टेशन वापस लाया गया। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए श्री विपिन पौडवाल और ऑनबोर्ड TTE कर्मचारियों ने स्वयं काफिले की देखरेख की।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, आने वाली चार ट्रेनों को तुरंत निर्धारित स्टेशनों पर ही समाप्त (शॉर्ट-टर्मिनेट) कर दिया

ट्रेन संख्या 52456: सोलन

ट्रेन संख्या 52452: कोटी

ट्रेन संख्या 52460 एवं 52454: धर्मपुर हिमाचल

फॉर्च्यूनर में मारी गई गोली, परिजन बोले- ड्राइवर ने विरोधियों संग मार डाला

हिंदू युवा वाहिनी के लखनऊ मंडल प्रभारी की हुई हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सुशांत गोल्फ सिटी इलाके से लापता हुए हिंदूवादी नेता धीरेंद्र प्रताप सिंह की हत्या कर दी गई। उनका शव दुबग्गा के पास एक नहर में मिला। धीरेंद्र पीजीआई इलाके में रहते थे। मूल रूप से उन्नाव के रहने वाले थे और हिंदू युवा वाहिनी के लखनऊ मंडल प्रभारी थे।

शुरुआती जांच में जमीन की रंजिश में हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। परिजनों ने धीरेंद्र के ड्राइवर पर विरोधियों के साथ मिलकर हत्या कराने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। ड्राइवर समेत अन्य संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

धीरेंद्र प्रताप सिंह मृतक

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस जमीन से जुड़े विवाद और धीरेंद्र के संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जानकारी जुटा रही है।

सराय प्रेमराज नगर स्थित छोटी नहर में रविवार शाम को औंधे मुंह एक व्यक्ति का शव पड़ा था। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकालकर उसकी शिनाख्त की कोशिश शुरू की। पुलिस ने शव की फोटो सोशल मीडिया और पुलिस ग्रुप में शेयर की। इसी दौरान सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट की जांच की गई, तो शव की पहचान धीरेंद्र के रूप में हुई।

फॉर्च्यूनर में गोली मारने की आशंका

सूत्रों के मुताबिक, आशंका है कि धीरेंद्र प्रताप सिंह को उनकी फॉर्च्यूनर गाड़ी में ही गोली मारी गई। इसके बाद शव को दुबग्गा के पास नहर में फेंक दिया गया। हालांकि, हत्या का सही कारण और वारदात का पूरा घटनाक्रम पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

तबाही : सॉफ्टवेयर इंजीनियर पति-पत्नी समेत 3 लापता

भाई बोला- 5 दिन से कोई खबर नहीं, 25 अगस्त को आखिरी बात हुई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। नेपाल में बाढ़ के बीच कानपुर के दंपती लापता हैं। परिवार अपनों के आने का इंतजार कर रहा है। भाई प्रवीण द्विवेदी ने कहा- बहनोई पंकज मिश्रा, बहन रागिनी और उनकी देवरानी पूनम मिश्रा की 5 दिन से कोई खबर नहीं है। 25 अगस्त को उनसे आखिरी बार बात हुई थी। पीएमओ में भी संपर्क किया, लेकिन अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

दरअसल, अमेरिका में साफ्टवेयर इंजीनियर पंकज मिश्रा, अपनी पत्नी और छोटे भाई की पत्नी के साथ कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकले थे। वह चीन-तिब्बत सीमा के पास से लापता हो गई हैं। 26 अगस्त की सुबह 9 बजे परिवार से संपर्क टूट गया था। पी रोड में रहने वाले प्रवीण

पंकज मिश्रा, रागिनी मिश्रा, लापता

द्विवेदी ने बताया- मेरी बहन रागिनी (52) की शादी साल- 1998 में श्यामनगर में हुई थी। बहनोई पंकज मिश्रा (55) सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। करीब 12 साल पहले बहन-बहनोई अमेरिका चले गए थे। वर्तमान में दोनों अमेरिका के नागरिक हैं। रागिनी और पंकज का एक बेटा है, जो अमेरिका में ही रहता है। वहीं पढ़ता है।

रागिनी की देवरानी पूनम मिश्रा भी अमेरिका में रहती हैं। उनके पति धीरज मिश्रा भी अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। दोनों का एक बेटा ध्रुव (20) और बेटी और मानसी मिश्रा (18) है।

प्रवीण ने बताया- बहन रागिनी से रोज बात होती थी। 18 अगस्त को बहन ने बताया कि दर्शन करने के लिए नेपाल और तिब्बत जा रहे हैं। 20 अगस्त को इन लोगों ने काठमांडू में पशुपतिनाथ के दर्शन कर लिए थे। इसके बाद नेपाल में घूम रहे थे।

25 अगस्त को जब बात हुई, तब मानसरोवर की यात्रा पर जा रहे थे। बहन ने बताया था कि 52 किलोमीटर की पैदल यात्रा है, इसलिए नेटवर्क नहीं है। इसके बाद 26 अगस्त को तिब्बत और नेपाल में तबाही की खबरें पता चलीं।

पृष्ठ 01 का शेष...

सपाई दंगों के ...

सीएम योगी ने कहा-ये दंगों के बादशाह हैं, कर्फ्यू इनकी पहचान है, प्रदेश के खजाने में लूट-खसोट इनकी आदत का हिस्सा है। खाली जमीनों पर सपाई गुंडों का कब्जा और 'देख सपाई-बिटिया घबराई' इनकी पहचान है।

हमारी पॉलिसी माफिया को मिट्टी में मिलाने की है तो बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। सीएम योगी रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ राष्ट्र प्रेरणा स्थल के पास अवंती बाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण के दौरान यह बोल रहे थे। इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ लखनऊ कैंट में 101 करोड़ रुपए की 12 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

JPNIC को हथियाने की सपा की कमेटी हमने भंग की और प्रोजेक्ट को लखनऊ विकास प्राधिकरण को सौंपा। हमने तय किया है कि इस प्रोजेक्ट को चलाएंगे। जय प्रकाश नारायण की स्मृति को जीवंत करेंगे। जो पैसा प्रदेश के खजाने से गया है, उसकी वसूली करके वापस लाएंगे।

जिन कारणों से देश गुलाम हुआ था, उस जाति का जहर घोल कर फिर से वर्ग के आधार पर ये बांटना चाहते हैं। इस तरह से स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान कर रहे हैं। अवंती बाई लोधी के मंत्र पर चलना है। हम बंटेंगे नहीं तो कटेंगे नहीं। यही आह्वान करने के लिए मैं आया हूं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि याद कीजिए कि पहले की सरकारों के समय में देश की राजधानी तक में महिलाएं सुरक्षित नहीं थीं। उत्तर प्रदेश में मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि या तो कल्याण सिंह की हुकूमत थी या फिर योगी आदित्यनाथजी की हुकूमत है। कोई महिलाओं की तरफ देखने की जुर्रत करेगा तो यहां (जमीन पर) नहीं होगा, वहां (ऊपर) होगा।

नेपाल में हाइड्रोपावर...

इस आपदा में नेपाल में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। काठमांडू में रविवार को नेपाल में आई बाढ़ के पीड़ितों के समर्थन में 'इन सॉलिडैरिटी विद नेपाल' कार्यक्रम हुआ। इसमें आध्यात्मिक गुरु सद्‌गुरु जग्गी वासुदेव और अभिनेत्री मनीषा कोइराला शामिल हुईं।

सद्‌गुरु ने कहा कि अभी एक-दूसरे पर आरोप लगाने का समय नहीं है। इस समय लोगों को बचाने, राहत पहुंचाने और बाढ़ से प्रभावित इलाकों को फिर से बसाने पर ध्यान देना जरूरी है। मनीषा कोइराला ने भी बाढ़ से हुई तबाही और लोगों के दर्द पर चिंता जताई।

नेपाल में आई बाढ़ के बाद 85 अमेरिकी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि 9 अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी अमेरिकी नागरिक की मौत की खबर नहीं है। हालांकि, प्रभावित इलाके बेहद दूरदराज के हैं और बाढ़ से भारी तबाही हुई है, जिससे सही जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा है कि भीषण बाढ़ से हुए नुकसान का आंकड़ा अरबों डॉलर तक पहुंच सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस स्तर पर नुकसान का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। इस बीच कई देशों ने नेपाल के लिए आर्थिक और मानवीय मदद का ऐलान किया है।

भारतः विदेश मंत्री एस. जयशंकर के मुताबिक, भारत से राहत सामग्री लेकर तीसरी उड़ान शुक्रवार को काठमांडू पहुंची। इसमें 10 टन मानवीय सहायता के साथ 11 सदस्यीय मेडिकल और सुरंग बचाव टीम भी शामिल थी।

ब्रिटेनः प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने 50 लाख पाउंड की मदद का ऐलान किया है। उन्होंने नेपाल की स्थिति को बेहद चिंताजनक और भयावह बताया।

यूरोपीय संघः यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 20 लाख यूरो की तत्काल मानवीय सहायता देने की घोषणा की है। इस मदद का इस्तेमाल लोगों तक जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने में किया जाएगा।

कनाडाः विदेश मंत्री अनिता आनंद ने 50 लाख कनाडाई डॉलर की मदद का ऐलान किया है। यह राशि संयुक्त राष्ट्र, रेड क्रॉस और अन्य गैर-सरकारी संगठनों के जरिए राहत कार्यों में खर्च की जाएगी।

अमेरिकाः अमेरिकी विदेश विभाग ने 5 लाख डॉलर की मदद देने की घोषणा की है। इससे आपातकालीन आश्रय, पानी, स्वच्छता और दूसरी जरूरी राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

चीनः नेपाल में चीन के राजदूत के मुताबिक, चीन ने भी आपातकालीन राहत सामग्री और आर्थिक मदद उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है।

वकीलों के चैंबरों ...

दरअसल, हाईकोर्ट के आदेश पर 17 मई को नगर निगम की टीम ने यहां 14 चैंबर तोड़े थे। तब इसका जमकर विरोध हुआ था। हंगामा और पथराव में सिपाही समेत 3 वकील घायल हो गए थे।

इसके बाद वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई तो जरूर होगी।

जस्टिस विक्रम नाथ इलाहाबाद हाईकोर्ट के भी जज रह चुके हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने सुझाव दिया था कि मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा जाए। लेकिन, पीठ ने इसके लिए भी इनकार कर दिया था। साथ ही वकील को याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी थी।

इसके बाद नगर निगम ने वकीलों को 30 अगस्त तक अवैध चैंबर छोड़ने का नोटिस जारी किया था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने हनुमान जी और गणेश जी की तस्वीरें मौके से हटाकर वकीलों को सौंप दीं।

नगर निगम की टीम बुलडोजरों से चैंबरों को तोड़ रही है। पक्के निर्माण को भी ध्वस्त किया जा रहा है।

नहीं रहे पत्रकारिता...

प्रेस क्लब अंबेडकरनगर के अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, सर्वजीत त्रिपाठी, प्रमन श्रीवास्तव, अरविंद सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. हनुमान प्रताप सिंह, अनूप सिंह, अरुणेश प्रताप सिंह, अखिलेश तिवारी, वेद पाठक, पंकज शुक्ला, ज्ञानप्रकाश पाठक, संजय मौर्य, रामशक्ल यादव, रणविजय यादव, सुधीर श्रीवास्तव, कमर हसनैन और सावन मिश्रा समेत अन्य पत्रकारों ने भी शोक जताया। अकबरपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आनंद वर्मा और जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधू वर्मा ने भी निधन पर शोक व्यक्त किया।

डॉ. गर्गवंशी ने पत्रकारिता में चार दशक से अधिक समय तक सक्रिय भूमिका निभाई। साथी पत्रकारों के मुताबिक, वह संवाद लेखन और समसामयिक विषयों पर बेबाक टिप्पणी के लिए पहचाने जाते थे। जनसमस्याओं को अधिकारियों तक पहुंचाने और उन्हें समाचार के माध्यम से सामने लाने में उनकी सक्रिय भूमिका रही। पीत पत्रकारिता के विरोध और स्वतंत्र लेखन के लिए भी साथी उन्हें याद कर रहे हैं।

डॉ. मेला ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भूपेंद्र सिंह गर्गवंशी जिले की पत्रकारिता के एक मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकातें भले ही दो-तीन बार हुईं, लेकिन उनका प्रभाव सामान्य मुलाकातों से कहीं अधिक रहा। बीमारी से लंबे संघर्ष के बावजूद उन्होंने उसे अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। डॉ. मेला ने उन्हें निडर और बेबाक व्यंग्यकार बताते हुए कहा कि बड़े से बड़े व्यक्ति से भी वह बिना किसी संकोच के अपनी बात रखते थे।

'गंभीर मामलों में ...

सूर्यकांत ने कहा कि PMLA जैसी व्यवस्थाएं पूरी तरह अचूक नहीं हैं। कुछ लोगों ने जांच एजेंसियों पर इसके दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। इनमें गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण नहीं बताने और जरूरत से ज्यादा हिरासत में रखने जैसी शिकायतें शामिल हैं। ऐसे मामलों में न्यायपालिका ने हस्तक्षेप कर राहत दी है।

लीग में सीजन के टॉप गोल स्कोरर बने, 20 मल्टी गोल करने वाले फास्टेस्ट खिलाड़ी भी

मेसी के 4 गोल से इंटर मियामी जीता

बढ़त

- फरवरी 2020 में आखिरी बार 4 गोल दागे थे
- 40वें मिनट में मॉन्ट्रियल के गोलकीपर मेसी का शॉट नहीं रोक पाए।
- दूसरे हाफ में मेसी ने 3 गोल दागे

नई दिल्ली, एजेंसी

लियोनेल मेसी के 4 गोल की मदद से इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से हरा दिया। मेजर लीग सॉकर (MLS) में लगातार 5 मैच हारने के बाद मियामी को यह जीत मिली है। 39 साल के लियोनल मेसी सात में से पांच गोल में शामिल रहे। उन्होंने चार गोल किए और लुइस सुआरेज को गोल करने में असिस्ट भी किया। मेसी ने इस सीजन के 19 मैचों में 18 गोल किए हैं। वे लीग के टॉप गोल स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने एफसी डलास के पीटर मूसा के 16 गोल को पीछे छोड़ा। साथ ही मेसी ने MLS के इतिहास में सबसे कम मैचों में 20 मल्टी गोल मुकाबले पूरे किए। उन्होंने सिर्फ 74 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। दूसरे हाफ के सातवें मिनट में मेसी ने शानदार गोल किया। उन्होंने गेंद लेकर मॉन्ट्रियल के डिफेंस में प्रवेश किया और खिलाड़ियों के बीच से निकलते हुए दाएं पैर से गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद मियामी ने कुछ समय के लिए खेल की रफ्तार धीमी की। 80वें मिनट में मेसी ने गोल करने के बजाय लुइस सुआरेज को पास दिया। सुआरेज ने गोलकीपर के सामने से बॉल निकालकर गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। तीन मिनट बाद मेसी ने अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद 89वें मिनट में 18 साल के अलेक्जेंडर शॉ ने गोल किया। फिर स्टॉपेज टाइम के दौरान मेसी ने एक और सीधी फ्री किक को गोल में पहुंचाकर स्कोर 7-1 कर दिया।

इंटर मियामी के लिए मेसी ने पहली बार एक मैच में 4 गोल किए। किसी भी लीग में उनकी यह परफॉर्मेंस 6 साल बाद आई है। इससे पहले फरवरी 2020 में उन्होंने ला लिगा में बार्सिलोना की ओर से एइबार के खिलाफ 4 गोल किए थे। उन्होंने करियर में 8वीं बार किसी मैच में 4 या उससे अधिक गोल किया है।

40वें मिनट में मॉन्ट्रियल के गोलकीपर मेसी का शॉट नहीं रोक पाए।

पहले हाफ में मेसी ने एक गोल किया

इंटर मियामी ने 20वें मिनट में बढ़त बनाई। तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कासेमिरो ने हेडर से गोल किया। यह क्लब के लिए कासेमिरो का पहला गोल था। 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से मॉन्ट्रियल ने स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके 3 मिनट बाद ही मेसी ने फ्री किक पर गोल कर मियामी को फिर बढ़त दिला दी। गेंद गोलकीपर थॉमस गिलियर से आगे जाने से पहले एक खिलाड़ी से टकराकर दिशा बदल गई। इस गोल के बाद दूसरे हाफ में मियामी ने लगातार हमले किए।

आईपीएल काउंसिल के दो सदस्यों के चुनाव का नोटिस जारी

अरुण धूमल फिर चेयरमैन चुने जा सकते हैं

मुंबई, एजेंसी

BCCI के चुनाव अधिकारी ने IPL गवर्निंग काउंसिल के दो सदस्यों के पदों पर चुनाव का नोटिस जारी किया। यह चुनाव 18 सितंबर को BCCI की सालाना आम बैठक यानी AGM में होगा।

BCCI के चुनाव अधिकारी एके ज्योति ने बोर्ड संविधान के नियम 28 के तहत नोटिस जारी किया। हिमाचल प्रदेश के अरुण सिंह धूमल और मिजोरम के खैरुल जमाल मजूमदार इन पदों के लिए फिर निर्विरोध चुने जा सकते हैं।

बैठक में अंडमान-निकोबार क्रिकेट संघ को एसोसिएट सदस्यता देने पर भी फैसला होगा।

BCCI के संविधान के नियम के तहत IPL गवर्निंग काउंसिल में जनरल बॉडी से चार सदस्य होते हैं। इनमें से दो सदस्यों का चुनाव AGM में किया जाता है।

मौजूदा निर्वाचित सदस्यों में हिमाचल प्रदेश के अरुण सिंह धूमल काउंसिल के चेयरमैन और मिजोरम के खैरुल जमाल मजूमदार सदस्य हैं। दोनों को फिर चुनाव लड़ना होगा, क्योंकि संविधान के मुताबिक इन दो सदस्यों का कार्यकाल सिर्फ एक साल होता है।

दोनों को 9 या 10 सितंबर को नामांकन दाखिल करना होगा। नामांकन की जांच के बाद 12 सितंबर को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी।

जनरल बॉडी से काउंसिल में शामिल अन्य दो सदस्य सचिव देवजीत सैकिया और कोषाध्यक्ष रघुराम भट हैं।

टेस्ट में नो-बॉल फेंकने पर जुर्माना लगे : गावस्कर

हर गलती के बाद रकम दोगुनी हो, इकट्ठा हुए पैसों से सभी खिलाड़ी डिनर करें

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने गेंदबाजों को नो-बॉल डालने से रोकने के लिए अनोखा फॉर्मूला दिया है। गावस्कर ने कहा कि हर नो-बॉल पर खिलाड़ी पर जुर्माना लगे और अगली गलती पर इसे दोगुना कर दिया जाए। साथ ही उन्होंने गेंदबाजी कोच को भी आधा जुर्माना देने का सुझाव दिया। गावस्कर ने मिड-डे के अपने कॉलम में लिखा- 'इकट्ठा हुई रकम का इस्तेमाल खिलाड़ियों के अलग होने से पहले होने वाले टीम डिनर में किया जा सकता है।' उन्होंने कहा- ऐसी मजेदार गतिविधि से खिलाड़ियों के बीच रिश्ता और मजबूत होगा।

दरअसल श्रीलंका टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों ने कुल 20 नो-बॉल डाले। पहले टेस्ट में 7 और दूसरे में 13 नो-बॉल फेंके गए। पिछले 5 साल में रवींद्र जडेजा 88 से ज्यादा नो-बॉल डाल चुके हैं। श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज भारत 1-0 से जीता। कोलंबो में खेला गया दूसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था।

गावस्कर ने दूसरी गलतियों पर भी जुर्माना लगाने को कहा। उन्होंने लिखा- ओवरथ्रो पर बैकअप न देने जैसी गलतियों पर भी टीम वोटिंग से जुर्माना तय किया जा सकता है।' गावस्कर ने साफ किया कि रन-अप मापने के लिए टेप उपलब्ध रहता है, इसलिए क्रीज से आगे पैर निकलने का कोई बहाना नहीं चलेगा।

नो-बॉल की परेशानी पर भारतीय स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले ने मजाक करते हुए कहा था कि इसे रोकने के लिए टेस्ट में भी फ्री-हिट शुरू कर देनी चाहिए। इससे गलती रोकने में मदद मिलेकी। गावस्कर ने बहुतुले के इस विचार को खारिज किया। उन्होंने कहा कि टेस्ट में बल्लेबाजों को मुफ्त के रन देने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

स्पीच देते समय रो पड़े, कहा- यह जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान, 20 ग्रैंड स्लैम जीते

रोजर फेडरर टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल

रोड आइलैंड, एजेंसी

पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर को टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। इस दौरान फेडरर स्पीच देते हुए कई बार भावुक हो गए। 45 साल के फेडरर अपनी स्पीच में विरोधियों, अधिकारियों और प्रशंसकों को याद किया। परिवार और दोस्तों को थैंक्यू कहते समय वे रो पड़े। अमेरिकी स्टेट रोड आइलैंड के न्यूपोर्ट में शनिवार को हुए समारोह में फेडरर ने कहा- 'यह मेरी जिंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। इसे हॉल ऑफ फेम कहा जाता है, लेकिन यश पाना कभी मेरा लक्ष्य नहीं था। मेरा लक्ष्य था कि मैं अपनी जिंदगी उस काम को करते हुए बिताऊं, जिससे मुझे प्यार है और जिन लोगों को भी उससे उतना ही प्यार है, उनके साथ रहूं।' स्विट्जरलैंड के फेडरर ने 2022 में टेनिस से संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने करियर में 20 ग्रैंड स्लैम और 103 एटीपी चैंपियनशिप जीती। फेडरर ने अपने करियर के कुछ अनोखे आंकड़े शेयर किए। उन्होंने बताया कि 1998 में एटीपी टूर की शुरुआत से लेकर 2022 में संन्यास लेने तक उन्होंने 5,000 से ज्यादा हेडबैंड पहने। फेडरर ने यह भी बताया कि वे मैच के दौरान एक साथ दो-दो मोजे पहनते थे। उन्होंने अपने करियर में 7 हजार से ज्यादा जोड़ी मोजे इस्तेमाल किए।

फेडरर ने कहा- 'जैसा कि आप देख सकते हैं, मैं अब भी टेनिस को अपना प्रेम पत्र लिख रहा हूं। खिलाड़ी के तौर पर मेरा समय खत्म हो गया है, लेकिन टेनिस हमेशा उन सभी चीजों के बीच रहेगा, जिनकी मुझे सबसे ज्यादा परवाह है।'
उन्होंने कहा- 'इसमें मेरा परिवार, हमारी दोस्ती, पिछले 40 साल और वह भविष्य शामिल है, जिसे हम बना रहे हैं। मेरे लिए टेनिस ही इन सबका जिम्मेदार है।'

समारोह में ट्वीन बेटे लियो और लेनी के साथ फेडरर। उनकी ट्वीन बेटियां (माइला रोज और चार्लीन रीवा) भी हैं।

बॉल किड्स और परिवार को थैंक्यू कहते हुए रो पड़े

फेडरर ने कहा- 'मैं हर उस बॉल किड को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो मेरे किसी भी मैच के दौरान घंटों तक खड़ा रहा। मैं आपको देखता हूं। मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं भी कभी आपकी जगह था।'

अपने आदर्श स्टीफन एडबर्ग, टेनिस के दूसरे सितारों, परिवार और करियर में साथ देने वाले स्टाफ का नाम लेते हुए फेडरर की आंखों में आंसू आ गए। इसके बाद उन्होंने मजाक करते हुए कहा- मुझे अभी टिश्यू, धूप के चश्मे और खुद को बचाने के लिए हर चीज की जरूरत है। यह सब बहुत गड़बड़ हो गया है।'

मनोरंजन

इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो किया, धोखे और टूटे वादों वाले पोस्ट शेयर किए

निक्की तंबोली और अरबाज पटेल का क्या हो गया ब्रेकअप

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस निक्की तंबोली और अरबाज पटेल दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। जिसके बाद उनके अलग होने की चर्चा शुरू हो गई। हालांकि, निक्की और अरबाज ने अभी तक अपने ब्रेकअप की पुष्टि नहीं की।

इस बीच दोनों ने सोशल मीडिया पर धोखे और टूटे वादों से जुड़े पोस्ट भी शेयर किए।

अरबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर लिखा, "अपने पार्टनर को धोखा देना, फिर घर आकर उसकी आंखों में देखकर कहना कि मैं तुमसे प्यार करता हूं,

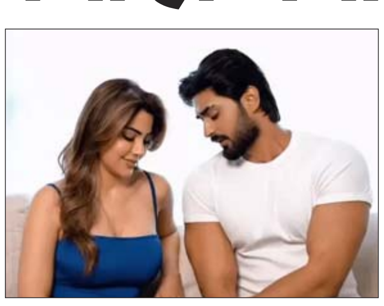

बेइज्जती का बिल्कुल अलग स्तर है। मैंने जो कहा, वही कहा।" अरबाज ने पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया था। हालांकि, सोशल मीडिया यूजर्स ने कयास लगाए कि उनका इशारा निक्की की ओर था। वहीं, इसके पहले निक्की ने एक नोट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने लिखा, "वह सच्चाई, जिसके बारे में लोग नहीं कहते।

फराह खान के व्लॉग में पहली मुलाकात का जिक्र किया

फराह खान के व्लॉग में पहले नजर आने के दौरान निक्की ने अरबाज से अपनी पहली मुलाकात के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था कि अरबाज को स्टेज पर देखने के बाद उन्हें तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ था। वहीं, अरबाज ने याद किया था कि निक्की ने खुले तौर पर कहा था कि वह उनके हैं।

बिग बॉस मराठी 5 में शुरू हुई थी नजदीकी

निक्की और अरबाज की बॉन्डिंग ने पहली बार बिग बॉस मराठी 5 के दौरान लोगों का ध्यान खींचा था। शो में दोनों का रिश्ता चर्चा का एक प्रमुख विषय बना रहा। रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी दोनों ने अपना रिश्ता जारी रखा। बाद में दोनों ने रियलिटी शो 'द 50' में साथ हिस्सा लिया।

समय रैना फिर विवादों में

बिहारियों और कश्मीरी पंडितों पर टिप्पणी से बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉमेडियन समय रैना एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनके शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के नए एपिसोड में बिहार और कश्मीरी पंडितों को लेकर की गई कथित टिप्पणियों के वीडियो वायरल होने के बाद विरोध शुरू हो गया है। बीजेपी विधायक राम कदम ने रैना पर विवादित बयान देकर मुफ्त में पब्लिसिटी हासिल करने का आरोप लगाया है।

समय रैना ने शुक्रवार को 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के सीजन-2 का नया एपिसोड रिलीज किया था। इसके कुछ हिस्से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगे। इनमें रैना और स्टैंडअप कॉमेडियन शेरॉन वर्मा के बीच उनके मूल स्थानों को लेकर बातचीत भी शामिल थी। शेरॉन वर्मा बिहार से हैं, जबकि समय रैना कश्मीरी पंडित परिवार से आते हैं। इसी बातचीत से विवाद शुरू हुआ।

वायरल क्लिप के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने रैना की टिप्पणियों को आपत्तिजनक बताया। खासकर कश्मीरी पंडित समुदाय के कुछ लोगों ने कहा कि किसी समुदाय या क्षेत्र को कॉमेडी का विषय बनाकर उसका मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। विवाद ने स्टैंडअप कॉमेडी में मजाक और सामाजिक संवेदनशीलता की सीमा को लेकर बहस छेड़ दी है।

बीजेपी विधायक राम कदम ने समय रैना की कथित टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ लोग जानबूझकर विवादित बयान देते हैं ताकि उन्हें चर्चा और प्रसिद्धि मिल सके।

'सबकी मजबूरियां होती होंगी'

सलमान खान के 'सोनम, इट्स डन ब्रो' कमेंट पर सोनम वांगचुक ने रिएक्शन दिया

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक ने सलमान खान के 'सोनम, इट्स डन ब्रो' कमेंट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सलमान की अपनी मजबूरियां रही होंगी और वे इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहते। सोनम वांगचुक ने यह बात पॉडकास्टर प्रखर गुप्ता के साथ बातचीत में कही। 22 जुलाई को सोनम वांगचुक अपनी भूख हड़ताल के आखिरी दौर में थे। इसी दौरान सलमान खान ने सोशल मीडिया पर एक छात्र के रूप में अपनी पुरानी तस्वीर शेयर की और छात्रों के प्रदर्शन का समर्थन किया। हालांकि, 24 घंटे के बाद सलमान ने एक और पोस्ट कर वांगचुक से तुरंत भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। उन्होंने लिखा, "सोनम, इट्स डन, ब्रो।"

सलमान की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए वांगचुक ने कहा, "सबकी मजबूरियां होती होंगी। मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता।"

उन्होंने आगे कहा, "आपको हर दिशा में देखना होता है। उन्होंने कुछ कहा, यही बात सम्मान के लायक है। उनकी मजबूरियों पर मैं कुछ नहीं कह सकता।"

22 जुलाई को सलमान खान ने छात्रों के प्रदर्शन का समर्थन किया था। उन्होंने X पर लिखा था, "यह इतना शांतिपूर्ण आंदोलन था, इसलिए दुख होता है कि इसे हिंसक रूप लेना पड़ा। जिन छात्रों और उनके परिवारों को चोट लगी, उनके लिए मुझे बहुत दुख है। पेपर लीक बहुत गंभीर मुद्दा है। यह देखकर खुशी हुई कि हमारे देश के बच्चे बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए एकजुट हुए और उनके माता-पिता ने उनका साथ दिया।"

सलमान ने आगे लिखा, "मैं उनके रुख की सराहना करता हूं। उन्होंने पढ़ाई के लिए समर्पण, ईमानदारी और मेहनत करने की इच्छा दिखाई है, ताकि वे अपना भविष्य और एक बेहतर, शिक्षित भारत बना सकें।

चौथे दिन 24.50 करोड़ कमाए पहले दिन के मुकाबले कलेक्शन में 75.8% की गिरावट

'टॉक्सिक' की कमाई में लगातार गिरावट

नई दिल्ली। यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' की बॉक्स ऑफिस कमाई में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। फिल्म ने पहले दिन करीब 101.10 करोड़ की ओपनिंग की थी, लेकिन इसके बाद कलेक्शन तेजी से नीचे आया।

दूसरे दिन फिल्म ने 37.65 करोड़, तीसरे दिन 27.20 करोड़ और चौथे दिन करीब 24.50 करोड़ का इंडिया नेट कलेक्शन किया। यानी चौथे दिन भी फिल्म की कमाई पहले दिन के मुकाबले काफी कम रही।

बता दें कि चौथे दिन 'टॉक्सिक' की कमाई पहले दिन के मुकाबले करीब 75.8% गिर गई। चार दिनों में फिल्म का कुल इंडिया नेट कलेक्शन करीब 190.45 करोड़ पहुंच गया।

वहीं, यश मुख्य रूप से साउथ के सुपरस्टार हैं। हालांकि उनकी फिल्म की साउथ के राज्यों में भी बहुत गिरावट देखी गई है। कन्नड़ में पहले दिन फिल्म ने 23.30 करोड़ कमाए थे। दूसरे दिन यह घटकर 8.50 करोड़ और तीसरे दिन 5 करोड़ रह गया। चौथे दिन कन्नड़ में 6.60 करोड़ की कमाई हुई।

बता दें कि फिल्म की कमाई गिरने की बड़ी वजह के तौर पर कई दर्शकों ने फिल्म की कमजोर कहानी को बताया है। फिल्म की लंबाई भी चर्चा में है। 'टॉक्सिक' करीब 3 घंटे 14 मिनट लंबी है। इतनी लंबी फिल्म में कहानी दर्शकों को बांधे रखना जरूरी होता है, लेकिन कई दर्शकों को फिल्म कुछ हिस्सों में धीमी लगी।

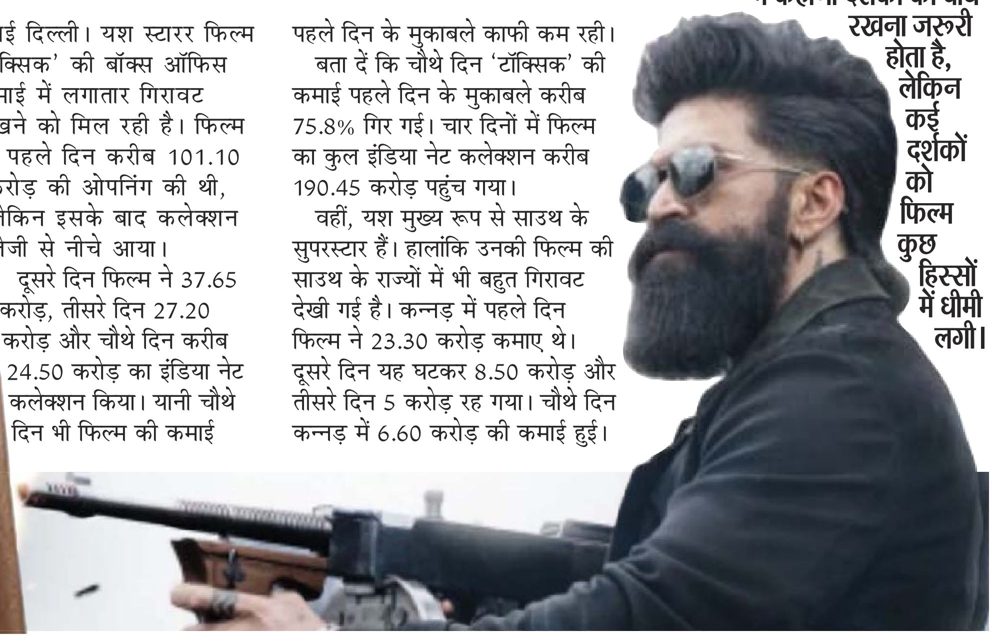

गोला-बारूद, बारूदी सुरंगें और ड्रोन फटे, 37 की मौत, 130 घरों को नुकसान

यूक्रेन में घरों के बीच छिपे हथियार डिपो पर रूसी हमला

नुकसान

कीव, एजेंसी

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के पास शनिवार को एक हथियार डिपो पर ड्रोन हमला किया। हमले के बाद डिपो में रखे गोले, बारूदी सुरंगें और ड्रोन फटने लगे।

धमाकों से आसपास के घरों और दूसरी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना में कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है, जबकि 130 घरों को नुकसान पहुंचा है।

शुक्रवार देर रात हुए इस हमले के बाद शनिवार को भी घटनास्थल पर

राहत और बचाव का काम जारी रहा। धमाकों में 42 लोग घायल हुए हैं, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि हथियारों का यह भंडार रिहायशी इलाके के इतने करीब नहीं होना चाहिए था।

पिछले महीने जुलाई में विश्नेवे में भी एक ऐसी घटना हुई थी। उस धमाके में नौ लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोग घायल हुए थे।

जेलेंस्की बोले- हथियार डिपो यहां नहीं होना चाहिए था

जेलेंस्की ने मिला गांव में हथियार रखने के फैसले को गलत बताया। उन्होंने कहा कि लोगों के घरों के इतने करीब विस्फोटक सामग्री नहीं रखी जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि जांच शुरू कर दी गई है। हम पता कर रहे हैं कि रिहायशी इमारतों के पास हथियार और विस्फोटक रखने की अनुमति देना कानूनी था या नहीं।

यूक्रेन के प्रधानमंत्री सेरही कोरेत्स्की ने कहा कि विश्नेवे की घटना से मिली सीख पर अमल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जंग के 5 साल हो जाने के बाद भी वही गलतियां बार-बार दोहराना आपराधिक लापरवाही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति को, बिना किसी अपवाद के, कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

कीव में रूसी हमले के बाद क्षतिग्रस्त गोदाम से उठता धुआं, मौके पर आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मी।

कीव के पास मिला गांव में था हथियार डिपो

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने कीव के पश्चिम में स्थित मिला गांव में एक हथियार डिपो को निशाना बनाया था। रूस के मुताबिक, यहां FP-1 और FP-2 लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन के पुर्जे और उन्हें लॉन्च करने वाले बूस्टर रखे गए थे।

धमाकों से गांव के करीब 130 घर तबाह हो गए। 45 साल के स्थानीय निवासी ल्यूबोव पावलेंको का घर हथियार डिपो से करीब 200 मीटर दूर है। उन्होंने अपने घर का नुकसान दिखाते हुए बताया कि पूरी बाहरी दीवारों पर दरारें पड़ गई हैं और खिड़कियों के आसपास भी दरारें हैं।

अमेरिका: फ्लोरिडा के हाईवे पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग

इंजन में खराबी के बावजूद पायलट ने विमान सुरक्षित उतारा

फ्लोरिडा, एजेंसी

फ्लोरिडा के सेब्रिंग के पास शनिवार की सुबह एक सेसना 172 विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। उड़ान के दौरान पायलट को इंजन में खराबी का सामना करना पड़ा था। जब विमान सड़क पर उतरा तो उसमें तीन लोग सवार थे। किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

यह विमान फोर्ट मायर्स से सेब्रिंग जा रहा था तभी इसके इंजन में खराबी आ गई। यह महसूस करते हुए कि एयरपोर्ट तक पहुंचना मुमकिन नहीं है, पायलट ने हाईवे पर ही विमान उतारने का फैसला किया। इस लैंडिंग के लिए बहुत ज्यादा कुशलता की जरूरत थी। पायलट ने विमान को रेलवे क्रॉसिंग के बैरियर के ऊपर से और बिजली की तारों के नीचे से होते हुए सुरक्षित रूप से हेवुड टेलर बुलेवार्ड के पास सड़क पर उतारा।

जब सिंगल-इंजन वाले विमान

पायलट की सूझबूझ से तीनों यात्री सुरक्षित बच निकले

का इंजन खराब हो जाता है तो पायलट के पास सीमित विकल्प होते हैं और उन्हें लैंडिंग के लिए तुरंत एक सही जगह चुननी पड़ती है। हाईवे पर लैंडिंग करना भले ही नाटकीय लगे, लेकिन आस-पास के इलाके की तुलना में वहां काफी लंबी और समतल जगह मिल सकती है। यह घटना दिखाती है कि पायलट की ट्रेनिंग और सूझबूझ से किसी मैकेनिकल इमरजेंसी को भी सफलतापूर्वक संभाला जा सकता है।

फास्ट न्यूज

बाढ़ में मारे गए अज्ञात लोगों को दफनाने की तैयारी कर रहा नेपाल

काठमांडू। नेपाल ने कहा है कि वह इस हफ्ते देश में आई भयानक अचानक बाढ़ के बाद मिली उन शवों को दफनाना शुरू करेगा जिनकी पहचान नहीं हो पाई है और जिन पर किसी ने दावा नहीं किया है। ऐसा संक्रमण के खतरे और शवों की बिगड़ती हालत को देखते हुए किया जा रहा है। बुधवार सुबह जब गाद ने गांवों और कस्बों को अपनी चपेट में लिया, तब से अब तक कम से कम 675 शव बरामद किए जा चुके हैं।

पीपीएफ की सरकारी गारंटी या एसआईपी की ज्यादा कमाई

नई दिल्ली। अगर आप हर महीने 10 हजार रुपए की बचत करना चाहते हैं और आपका लक्ष्य अगले 15 साल में बड़ा फंड तैयार करने का हैं, तो आपके सामने दो सबसे पसंदीदा विकल्प हैं। सरकारी गारंटी वाला PPF और दूसरा बाजार आधारित SIP।

PPF जहां बिना किसी रिस्क के 100% टैक्स-फ्री रिटर्न की गारंटी देता है, वहीं SIP लॉन्ग टर्म में वेल्थ कंपाउंडिंग के जरिए बड़ा फंड बनाने की ताकत रखती है। आइए 15 साल के रियल कैलकुलेशन और टैक्स कटने के बाद के आंकड़े से समझते हैं कि किसमें कितना फायदा है।

फ्लेक्सी-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 20% का रिटर्न

नई दिल्ली। कई लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा रिटर्न के लिए शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं। लेकिन अगर आपको शेयर बाजार के बारे में कम जानकारी है तो आप म्यूचुअल फंड के जरिए इसमें निवेश कर सकते हैं। आप म्यूचुअल फंड के फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

ज्यादा शक्कर-तेल वाली खाने पीने की चीजों पर लगेगी चेतावनी

पैकेट पर लाल रंग का षटकोण बनाया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

खाने-पीने के किसी पैक सामान में अगर नमक-शकर या सैचुरेटेड फैट की मात्रा लिमिट से ज्यादा हुई तो पैकेट पर षटकोण लाल निशान होगा। चेतावनी भी लिखी होगी।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में पेश किया है। इसका मकसद ऐसे फूड आइटम को लेकर लोगों को सावधान करना है।

FSSAI के प्रस्ताव के मुताबिक, यह वार्निंग लेबल लाल रंग के षटकोण आकार का होगा। इसे पैकेट के सामने लगाया जाएगा। दरअसल, 3S एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नाम के एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर डिब्बा बंद या पैकेट वाले खाने पर अनिवार्य वार्निंग लेबल लगाने की मांग की थी। इस मामले की पिछली सुनवाई (13 अगस्त) के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने FSSAI को नियमों में देरी के लिए फटकार लगाई थी और पूछा था कि क्या सरकार नहीं चाहती कि उसके लोग स्वस्थ रहें? इसके बाद FSSAI ने यह हलफनामा पेश किया है।

बलूचिस्तान में मॉल बनाने के लिए 200 साल पुराना ऐतिहासिक गुरुद्वारा जमींदोज

सिख समुदाय में भारी आक्रोश

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में स्थित 200 साल पुराने ऐतिहासिक श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारे को रातों-रात ढहा दिया गया है। इस पवित्र परिसर में बच्चों का एक स्कूल भी संचालित होता था। इस अचानक हुई कार्रवाई ने न केवल स्थानीय सिख समुदाय, बल्कि नागरिक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों को भी गहरे सदमे में डाल दिया है। लोग सड़कों पर उतरकर इस अन्याय का कड़ा विरोध कर रहे हैं।

आस्था के केंद्र को इस तरह मलबे में तब्दील करने की घटना से भारत में भी भारी रोष है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने भारत के विदेश मंत्रालय से अपील की है कि वह इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे को तुरंत पाकिस्तान सरकार के

शॉपिंग मॉल के लिए आस्था से खिलवाड़

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन ने इस ऐतिहासिक गुरुद्वारे को गिराने से पहले कोई नोटिस तक नहीं दिया। आरोप है कि इस बेशकीमती धार्मिक जमीन को एक निजी बिल्डर के हाथों में सौंप दिया गया है, ताकि वहां एक कमर्शियल शॉपिंग प्लाजा खड़ा किया जा सके।

समक्ष उठाए। यह पहली बार नहीं है जब बलूचिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो। स्थानीय सिख समुदाय के

अस्थायी स्थान की मांग

इस घटना ने दुनिया भर में बसे सिखों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है। सिख समाज अब इस पवित्र स्थल के जल्द से जल्द पुनर्निर्माण की पुरजोर मांग कर रहा है।

इसके साथ ही, समुदाय ने पाकिस्तान सरकार से यह भी गुजारिश की है कि जब तक नया गुरुद्वारा बनकर तैयार नहीं हो जाता, तब तक परिसर में ही एक सम्मानजनक अस्थायी जगह दी जाए। इससे श्रद्धालु नियमित रूप से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश कर सकेंगे और अपनी रोजाना की अरदास बिना किसी बाधा के पूरी कर सकेंगे।

अनुसार, एक समय था जब इस प्रांत में 12 गुरुद्वारे हुआ करते थे। लेकिन वक्त के साथ धीरे-धीरे 10 गुरुद्वारों का अस्तित्व मिटा दिया गया है।

आज पूरे प्रांत में केवल दो ही गुरुद्वारे बचे हैं। धार्मिक स्थलों की इस तरह घटती संख्या ने स्थानीय सिखों के मन में अपने भविष्य और विरासत को लेकर गहरा डर पैदा कर दिया है।

वहीं, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने इसे सीधे तौर पर सिख विरासत पर हमला करार दिया है। उन्होंने पाकिस्तान सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि वे इस चिंताजनक मामले में तुरंत हस्तक्षेप करें, दोषियों पर सख्त एक्शन लें और गुरुद्वारे की संपत्ति वापस सिख समाज को सौंपें।

ट्यूनेशिया में पानी की भारी किल्लत के बाद बोतलें लूटते दिखे लोग

भीषण गर्मी, बिजली कटौती और पुराना इंफ्रास्ट्रक्चर

ट्यूनिश, एजेंसी

लंबे समय से सूखे बारिश की कमी और तेज गर्मी से जूझ रहे ट्यूनेशिया में पानी की भारी किल्लत है। ट्यूनीशिया के लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं क्योंकि भीषण गर्मी, बिजली कटौती और पुराने हो चुके इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से नल से पानी की सप्लाई और बॉटलिंग प्लांट प्रभावित हो रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में भारी बारिश के बावजूद इस संकट के कारण विरोध-प्रदर्शन हुए हैं और अधिकारियों को टैंकरों से पानी पहुंचाना पड़ रहा है। ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सईद ने कहा कि देश में गर्मी के मौसम के बीच लंबे समय तक पानी और बिजली की

कटौती के पीछे सोची-समझी साजिश है।

हाल के हफ्तों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है, जिससे बिजली और पानी की मांग बढ़ गई है और इन दोनों की पूरी गर्मी के दौरान कमी देखने को मिली है। राजधानी समेत कुछ इलाकों में 10 घंटे से ज्यादा कटौती हो रही है। वहीं बिजली कंपनी का कहना है कि ये कटौती लोड शेडिंग के तौर पर की जाती है ताकि उसके नेटवर्क पर दबाव कम किया जा सके। पानी की कटौती भी आम हो गई है क्योंकि ट्यूनीशिया की ज्यादातर पानी की सप्लाई इलेक्ट्रिक पंपों पर निर्भर है, जो बिजली जाने पर बंद हो जाते हैं। पानी की कटौती के साथ-साथ बोतलबंद पानी की कमी भी एक समस्या बन गई है और इसका संबंध भी बिजली कटौती से ही है।

सुपरमार्केट में तय किया गया कोटा

ट्यूनीशिया के लोग लंबे समय से चल रही भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं और इस बीच सुपरमार्केट ने प्रति व्यक्ति खरीदारी पर कोटा तय कर दिया है, जबकि कई छोटी दुकानों पर सामान जल्दी ही खत्म हो जाता है। राष्ट्रपति के लिए ये आपराधिक योजनाएं और उकसाने की कोशिशें हैं। सईद ने कहा, देश के दुश्मन और उनका समर्थन करने वाले अब ट्यूनीशिया की जनता के सामने बेनकाब हो गए हैं। हालांकि उन्होंने एक बार फिर बिजली कटौती के पीछे के लोगों की पहचान नहीं बताई।

स्विट्जरलैंड में 3500 लोगों की रेव पार्टी में अंधाधुंध गोलीबारी

बर्न, एजेंसी

स्विट्जरलैंड के आरौ शहर में रविवार तड़के एक रेव पार्टी के दौरान हुई अंधाधुंध गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हिंसक घटना करीब 3,500 लोगों की मौजूदगी वाली एक सालाना टेक्नो पार्टी के दौरान हुई।

पुलिस ने अज्ञात हमलावरों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, जबकि घायलों में से कुछ की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

ज्यूरिख के उत्तर में स्थित आरौ में हुई इस घटना में कई लोग हताहत हुए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद इलाके में बड़े पैमाने पर पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

स्थानीय पुलिस ने एक्स पर कहा कि हमलावरों की तलाश जारी है, जिनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हमले का मकसद और इसके पीछे की सटीक परिस्थितियां अभी ज्ञात नहीं हैं।

स्विस समाचार पत्र ब्लिक की रिपोर्ट के अनुसार, आरौ रेव नामक इस कार्यक्रम के दौरान सुबह लगभग 3:00 बजे से ठीक पहले गोलियां चलीं। यह एक वार्षिक टेक्नो पार्टी थी, जो शनिवार दोपहर 3:00 बजे से शुरू होकर रविवार तड़के 2:00 बजे तक चली थी। इस भव्य कार्यक्रम में लगभग 3,500 लोग शामिल हुए थे। पुलिस प्रवक्ता वैनेसा रुम्पोल्ड ने बताया कि गोलीबारी की यह घटना रेसकोर्स में हुई जहां इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि लोगों के एक बड़े समूह के बीच कई राउंड गोलियां चलाई गईं। वहीं, घटनास्थल पर मौजूद एक चश्मदीद ने भी गोलियों की बौछार होने की बात कही है।

बदलाव : इस साल 38% शादियां ऑनलाइन हुईं, युद्ध ने यूक्रेन के लोगों के जीवन के हर पहलू को बदल दिया

यूक्रेन में अब फ्रंटलाइन पर हो रही शादी

कीव, एजेंसी

कड़कती धूप के बीच क्रामटोरस्क के केंद्रीय पीस स्क्वायर पर दुल्हन के लिबास में टिटियाना और सैन्य वर्दी में ओलेक्सांद्र अपने-अपने फोन थामे खड़े हैं। यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर खुला चौक शादी के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं था, क्योंकि ठीक तीन दिन पहले क्रामटोरस्क को कॉम्बैट जोन घोषित किया गया था।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी सेना दोनेत्स्क क्षेत्र के बचे हुए हिस्सों पर कब्जा करने के लिए लगातार आगे बढ़ रही है। दोपहर दो बजे के करीब यहां सन्नाटा पसरा था और शादी की रस्म बेहद संक्षिप्त थी, जिसमें कोई अन्य मेहमान मौजूद नहीं था।

ओलेक्सांद्र के मुताबिक,

क्रामटोरस्क में शादी करना यादों को सहेजने के लिए जरूरी था, क्योंकि आने वाले समय में शायद यहां कुछ भी बाकी न बचे। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में सब कुछ कुछ ही महीनों या दिनों में मिट सकता है। दो-तीन साल पहले मैं जिन कस्बों और गांवों में तैनात था, वे आज मलबे के ढेर में तब्दील हो चुके हैं।

एक साल पहले तक क्रामटोरस्क एक चहल-पहल भरा औद्योगिक शहर था, लेकिन आज यह एंटी-ड्रोन नेटिंग से ढका है और इमारतों की टूटी खिड़कियों पर चिपबोर्ड लगे हैं। हाल ही में भारी गोलाबारी के बीच छह लोगों की जान चली गई थी। शादी से एक दिन पहले भी रूसी ड्रोनों ने शहर के पार्क में लगे 80 मीटर ऊंचे यूक्रेनी झंडे को कई बार निशाना बनाने की कोशिश की थी। इसके बावजूद दोनों ने यहीं शादी करने की ठानी। टिटियाना कहती हैं कि यह शादी दोनेत्स्क क्षेत्र की यादों को जीवित रखने का एक जरिया है। ओलेक्सांद्र मारियुपोल के रहने वाले हैं, जबकि टिटियाना का बचपन दोनेत्स्क में अपनी दादी के घर बीता था।

विनाश के बीच जीवन का संदेश

रस्मों के बाद दोनों पास के स्वीट कॉफी हाउस बेकरी पहुंचे, जो इन दिनों किसी कैफे से ज्यादा एक सुरक्षित बंकर जैसा नजर आता है। केक काटते हुए नवविवाहित जोड़े ने अपने भविष्य और बच्चों के बारे में बात की।

टिटियाना ने कहा कि युद्ध के दौर में परिवार शुरू करना उम्मीद का प्रतीक है। जिस दुनिया को रूस तबाह करने की कोशिश कर रहा है, उसमें कुछ नया और खूबसूरत रचना बेहद जरूरी है।

जब चारों तरफ डर और निराशा फैलाई जा रही हो, तब सुंदर कपड़े पहनना, भलाई करना, एक-दूसरे का ख्याल रखना और प्यार करना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यही वह चीज है जिसे रूस हमसे छीनना चाहता है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कार पर दिया ऑटोग्राफ

खुद टेस्ट ड्राइव कर जांची खूबियां

मॉस्को, एजजेंसी

फैक्ट्री के दौरे पर पहुंचे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीनी डिजाइन वाली कार की सवारी की और खुद इसे चलाया। रूस में बनी चीनी डिजाइन वाली कार VOLGA K50 को ड्राइव करने के बाद पुतिन ने कहा कि यह बहुत, बहुत स्मूथ है।

पुतिन ने कार के कंट्रोल्स को भी एकदम सही बताया। ड्राइव पर निकलने से पहले पुतिन ने कार पर अपने ऑटोग्राफ भी दिए।

दरअसल, चीनी डिजाइन वाली कार को ड्राइव कर पुतिन रूसी जनता को संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि चीन के साथ अब रूस अपनी कार इंडस्ट्री को आगे बढ़ाएगा। इसके साथ ही पश्चिमी देशों के भी दिखाना है कि उनके प्रतिबंधों के बाद भी देश में इंडस्ट्री

अब आगे बढ़ेगी।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने चीनी डिजाइन वाली कार की ड्राइविंग निजनी नोवगोरोड के मशहूर गोर्की ऑटोमोटिव प्लांट के दौरे के दौरान की। सामने आए वीडियो में पुतिन कार की ड्राइविंग सीट पर बैठकर उसे चलाते दिख रहे हैं।

निजनी नोवगोरोड के दौरे के दौरान पुतिन ने यह साफ कर दिया है कि रूस का ऑटो सेक्टर अब एक नई आर्थिक वास्तविकता और चीन के मजबूत साथ के दम पर आगे बढ़ रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96